• जयपुर, बुधवार 25 नवंबर 26 • वर्ष 16 • अंक 21 • पृष्ठ : 8 • मूल्य : 1 रुपये

www.chamaktarajasthan.in| Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

डाक पंजीयन संख्याः RJ/JPC/D19/2024-25

RNI. No. RAJHIN/2011/40950

राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त

सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

सुविचार

''सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।''

● **स्वामी विवेकानंद**

चमकता राजस्थान

जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित



विज्ञापन के लिए : 93145 05000

अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, ब्यावर, जालोर, करौली, नागौर बीकानेर से प्रसारित

न्यूज अपडेट

कन्नौज में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर ट्रक ने खड़ी बस को मारी टक्कर, चार स्कूली छात्रों की मौत



कन्नौज/एजेंसी। उत्तर प्रदेश के कन्नौज में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर मंगलवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में चार स्कूली छात्रों की मौत हो गई, जबकि करीब 35 बच्चे घायल हो गए। यह हादसा ठठिया थाना क्षेत्र में एक्सप्रेसवे के 209 किलोमीटर पर हुआ। जानकारी के अनुसार, आगरा से स्कूली बच्चों को पिकनिक पर लेकर बस कौशांबी गई थी। मंगलवार को सभी बच्चे वापस लौट रहे थे। इसी दौरान एक्सप्रेसवे पर बस खड़ी थी, तभी पीछे से आए तेज रफ्तार ट्रक ने बस में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस में सवार बच्चों में अफरा-तफरी मच गई। हादसे के समय बस में करीब 50 छात्र और छह शिक्षक सवार थे। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। राहत एवं बचाव कार्य चलाकर घायलों को एंबुलेंस से मेडिकल कॉलेज तिर्वा पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार किया जा रहा है।

हादसे की जानकारी मिलने पर जिलाधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री और पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मेडिकल कॉलेज पहुंचे। दोनों अधिकारियों ने घायल बच्चों का हालचाल जाना और चिकित्सकों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

एनडीए में अकाली दल की वापसी पर अमित शाह और राजनाथ सिंह ने जताई खुशी, शांति और प्रगति को बताया प्राथमिकता

नई दिल्ली/एजेंसी। पंजाब चुनाव से पहले शिरोमणि अकाली दल (शिअद) की एनडीए में वापसी को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस पर खुशी जताई। दरअसल, भाजपा और शिअद ने मंगलवार को 2027 के पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले अपने गठबंधन को फिर से बहाल करने की घोषणा की। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और शिअद अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने नई दिल्ली में भाजपा मुख्यालय में यह घोषणा की। उन्होंने पुष्टि की कि दोनों पार्टियां आगामी विधानसभा चुनाव एक साथ लड़ेंगी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पर पोस्ट किया, भाजपा और शिरोमणि अकाली दल का गठबंधन केवल एक राजनीतिक गठबंधन नहीं है।

श्री गुरु नानक देव जी का 557वां प्रकाश पर्व

सिख गुरुओं ने मानवता और धर्म की रक्षा के लिए किया सर्वस्व अर्पित

राजनीति सत्ता का नहीं, सेवा का माध्यम : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

चमकता राजस्थान

जयपुर/। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने श्री गुरु नानक देव जी के 557वें प्रकाश पर्व के पावन अवसर पर राजापार्क में आयोजित कार्यक्रम में शिरकत की। उन्होंने श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी को नमन किया, मत्था टेका और प्रदेशवासियों से श्री गुरू नानक देव जी के प्रेम, सेवा, समानता और मानवता के बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अंधकार और चुनौतियों के दौरान श्री गुरु नानक देव जी ने बिना किसी भय के सत्य का बिगुल बजाया। उनकी हजारों मील की कठिन यात्राओं में दुर्गम बाधाएं आईं, लेकिन वे कभी नहीं रुके। उनका जीवन हमें सिखाता है कि चुनौतियां होने के बावजूद एक सच्चे सेवक को घबराए बिना अपने लक्ष्य और समाज के कल्याण के प्रति समर्पित रहना चाहिए।

उन्होंने कहा कि श्री गुरु नानक देव जी का संदेश है कि ईश्वर का स्मरण करें, ईमानदारी और परिश्रम से कमाएं और जरूरतमंदों के साथ बांटें। इस संदेश से प्रेरणा लेकर राज्य सरकार प्रदेश के विकास, जनसेवा और अंतिम छोर के व्यक्ति के उत्थान के लिए कार्य कर रही है। हमारे लिए राजनीति सत्ता का नहीं, बल्कि सेवा का माध्यम हैं।

● **चुनौतियों के बावजूद श्री गुरु नानक देव जी रहे**

● **अपने लक्ष्य और समाज के कल्याण के प्रति समर्पित**





● प्रधानमंत्री ने किया करतारपुर कॉरिडोर खोलने का ऐतिहासिक निर्णय

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने करतारपुर कॉरिडोर खोलने का ऐतिहासिक निर्णय कर करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाओं का सम्मान किया। वहीं, श्री गुरु गोविंद सिंह जी के साहिबजादों की शहादत की स्मृति में 26 दिसम्बर को वीर बाल दिवस के रूप में मनाने की शुरुआत कर प्रधानमंत्री ने नई पीढ़ी को उनके अदम्य साहस, त्याग और बलिदान से परिचित कराने का महत्वपूर्ण कार्य किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सिख समुदाय के कल्याण, उत्थान और धार्मिक आस्था से जुड़े स्थलों के विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में जयपुर स्थित गुरुद्वारा श्री तेग बहादुर साहिब जी तथा अनूपगढ़ स्थित बुड्ढा जोहड़ गुरुद्वारा में श्रद्धालुओं की सुविधाओं के विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सिख समुदाय के विद्यार्थियों के छात्रावास हेतु भूमि का आवंटन हो चुका है तथा इसका कार्य शीघ्र प्रारंभ हो जाएगा। इस दौरान जयपुर महापौर सुनील कोठारी, राजस्थान सिख समाज के अध्यक्ष अजयपाल सिंह, मुख्य ग्रंथी जगजीत सिंह सहित गुरुद्वारा कमेटी के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में सिख समाज के लोग उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री गुरु नानक देव जी ने समाज को सिखाया कि ईश्वर एक है और उसकी नजर में सभी मनुष्य समान हैं। सच्चा धर्म अच्छे कर्म, ईमानदारी और मानव सेवा में ही निहित है। लंगर सेवा समानता और सेवा भावना का अनुपम उदाहरण है।

उन्होंने सिख गुरुओं के त्याग, समर्पण, साहस और बलिदान की महान परंपराओं का स्मरण करते हुए कहा कि सिख गुरुओं ने मानवता और धर्म की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व अर्पित कर दिया। उन्होंने नौवें गुरु श्री गुरु तेग बहादुर जी को नमन करते हुए कहा कि धर्म और आस्था की स्वतंत्रता तथा मानव अधिकारों की रक्षा के लिए उनका बलिदान अद्वितीय है। दसवें गुरु श्री गुरु गोविंद सिंह जी का जीवन त्याग, वीरता और धर्म की रक्षा का उत्कृष्ट उदाहरण है।

बेरोजगार युवाओं को हर महीने मिलेंगे 2000 रुपए

जनवरी से लागू होगी 'भोरशा कर्मसूची' योजना

कोलकाता/एजेंसी।

पश्चिम बंगाल के बेरोजगार युवाओं को आर्थिक संबल देने के लिए राज्य सरकार ने एक बड़ी पहल की है। मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने सोमवार को घोषणा की कि प्रदेश में 'भोरशा कर्मसूची' योजना के तहत आगामी जनवरी महीने से बेरोजगार युवाओं को मासिक भत्ता दिया जाएगा। सरकार के इस फैसले से राज्य के उन लाखों शिक्षित युवाओं को सीधा आर्थिक सहारा मिलेगा जो फिलहाल रोजगार की तलाश में हैं।



● किसे कितना मिलेगा मासिक भत्ता, 2028-29 में और बढ़ेगी राशि

मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने योजना के प्रावधानों की जानकारी देते हुए बताया कि जनवरी से बेरोजगार स्नातकों और सरकारी व्यावसायिक संस्थानों व आईटीआई से डिप्लोमा प्राप्त करने वाले युवाओं को हर महीने 2,000 रुपये का भत्ता प्रदान किया जाएगा। इसके साथ ही, बेरोजगार गैर-स्नातक युवाओं को भी इस योजना के दायरे में रखा गया है, जिन्हें प्रति माह 1,500 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। सीएम ने यह भी स्पष्ट किया कि भाजपा के घोषणापत्र में किए गए वादे के अनुरूप वित्तीय वर्ष 2028-29 से इन भत्तों की राशि में बढ़ोतरी की जाएगी, जिसके बाद पात्र लाभार्थियों को क्रमशः 3,000 रुपये और 2,000 रुपये मासिक भत्ता मिलने लगेगा।

● कौन उठा सकेगा योजना का लाभ, तय की गई आयु सीमा

राज्य सरकार ने इस योजना के तहत आर्थिक मदद पाने के लिए पात्रता की शर्तें भी निर्धारित कर दी हैं। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, 'भोरशा कर्मसूची' योजना के अंतर्गत मासिक भत्ते का लाभ उठाने के लिए उम्मीदवार की आयु 21 वर्ष से 45 वर्ष के बीच होनी चाहिए। इस आयु वर्ग के भीतर आने वाले सभी पात्र बेरोजगार युवा इस सरकारी सहायता के हकदार होंगे और जनवरी से उन्हें नियमित रूप से इस योजना का लाभ मिलना शुरू हो जाएगा।

दिल्ली-एनसीआर में बढ़ेगी ठंड, 10 डिग्री तक पहुंचेगा न्यूनतम तापमान, सुबह-शाम छाएगा कोहरा

दिल्ली/एजेंसी।

बदलते मौसम का असर अब दिल्ली समेत पूरे एनसीआर में साफ दिखाई देने लगा है। पहाड़ी इलाकों में हो रही बर्फबारी और मैदानी क्षेत्रों में लगातार गिरते तापमान के चलते ठंड ने धीरे-धीरे अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है। मौसम में बदलाव के साथ ही रात और सुबह के समय ठिठुरन बढ़ने लगी है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक आने वाले दिनों में न्यूनतम तापमान गिरकर 10 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। इससे दिल्ली, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद और गुरुग्राम समेत पूरे एनसीआर में सुबह और रात के समय ठंड का असर और अधिक महसूस होगा। मौसम विभाग की ओर से जारी 24 से 29 नवंबर तक के स्थानीय मौसम पूर्वानुमान में लगातार हल्के कोहरे की संभावना जताई गई है। इस दौरान अधिकतम तापमान 25 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है, जबकि न्यूनतम तापमान 10 से 11 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। खास बात यह है कि अगले छह दिनों के पूर्वानुमान में हर दिन कोहरे की स्थिति दर्शाई गई है।



मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार 24 नवंबर को अधिकतम तापमान 25 डिग्री और न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। 25 नवंबर को अधिकतम तापमान 25 डिग्री और न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। वहीं, 26 नवंबर को भी तापमान में विशेष बदलाव की संभावना नहीं है। अधिकतम तापमान 25 डिग्री और न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस रहने का पूर्वानुमान है। 27 नवंबर को अधिकतम तापमान में एक डिग्री की बढ़ोतरी के साथ इसके 26 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान है, जबकि न्यूनतम तापमान 10 डिग्री रहेगा। 28 नवंबर को अधिकतम तापमान 25 डिग्री और न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत इनोवेशन, आरएंडडी और उभरती हुई टेक्नोलॉजी का बना केंद्र : ज्योतिरादित्य सिंधिया

नई दिल्ली/एजेंसी। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत इनोवेशन, आरएंडडी और उभरती हुई टेक्नोलॉजी का केंद्र बन गया है। साथ ही कहा कि देश का टेलीकॉम सेक्टर न केवल भारत में बल्कि पूरी दुनिया में सबसे बड़ा अवसर बनकर उभरा है। टेलीकॉम स्टार्टअप्स और एमएसएमई कॉन्क्लेव 2026 में मीडिया से बातचीत में सिंधिया ने कहा कि देश में 10 साल पहले जहां केवल 60 मिलियन से 250 मिलियन कनेक्शन हुआ करते थे, वहीं आज भारत में एक अरब से ज्यादा इंटरनेट और ब्रॉडबैंड कनेक्शन का एक अदृश्य हाईवे मौजूद है। इसके अलावा, 133 करोड़ मोबाइल कनेक्शन हैं। सिंधिया ने आगे कहा कि देश में अत्याधुनिक 5जी तकनीक को दुनिया में सबसे तेज गति से लागू किया गया है।

कार्तिक पूर्णिमा पर अयोध्या में जयकारों से गूंजा सरयू घाट, पुरी में जगन्नाथ दर्शन को उमड़े भक्त

नई दिल्ली/एजेंसी।

कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर देश के विभिन्न धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में सरयू नदी के घाटों पर हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और पवित्र स्नान कर पूजा-अर्चना की। वहीं, अमरोहा के तिगरी गंगा घाट पर भी बड़ी संख्या में लोगों ने गंगा में आस्था की डुबकी लगाई। दूसरी ओर, ओडिशा के पुरी स्थित श्रीजगन्नाथ मंदिर में भी कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। श्रद्धालुओं ने भगवान जगन्नाथ के दर्शन कर आशीर्वाद मांगा। अयोध्या में



कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर सरयू नदी में पवित्र स्नान करने के लिए हजारों श्रद्धालु पहुंचे। स्नान के लिए श्रद्धालुओं का आगमन देर रात से ही शुरू हो गया था। सुबह करीब दो बजे से ही नदी के घाटों पर लोगों की भीड़ जुटने लगी। जयकारे लगाते हुए श्रद्धालु सरयू के घाटों की ओर बढ़े और पवित्र स्नान किया। स्नान के बाद कई श्रद्धालुओं ने हनुमानगढ़ी सहित अन्य मंदिरों में पहुंचकर पूजा-अर्चना की और दर्शन किए। इस दौरान अयोध्या में श्रद्धालुओं की भीड़ को व्यवस्थित करने के लिए प्रशासन और पुलिस की ओर से व्यापक इंतजाम किए गए। सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ यातायात को नियंत्रित करने के लिए भी विशेष प्रबंध किए गए, ताकि बड़ी संख्या में पहुंच रहे लोगों को किसी तरह की परेशानी न हो और धार्मिक आयोजन सुचारु रूप से संपन्न हो सके। एक श्रद्धालु ने सरयू में स्नान के महत्व को बताते हुए कहा कि लोग अपने पाप धोने के लिए इस नदी में पवित्र डुबकी लगाने आते हैं। एक अन्य श्रद्धालु ने इसे अत्यंत पुण्यदायी स्नान बताया। उन्होंने कहा कि कई बार लोगों को वर्षों तक इस तरह के पवित्र स्नान का अवसर नहीं मिल पाता। ऐसे में जो लोग यहां पहुंचकर सरयू में डुबकी लगाने में सफल होते हैं, वे बेहद सौभाग्यशाली हैं।

एक अन्य ने कहा कि आज कार्तिक पूर्णिमा है और यह दिन भगवान को अत्यंत प्रिय है। इसी दिन भगवान ने स्वयं यहां पवित्र स्नान किया था, इसलिए इस अवसर का विशेष आध्यात्मिक महत्व है। श्रद्धालुओं ने सरयू में स्नान को अपने लिए सौभाग्य और धार्मिक आस्था से जुड़ा अवसर बताया। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर उत्तर प्रदेश के अमरोहा जिले में स्थित तिगरी गंगा घाट पर भी हजारों श्रद्धालु पहुंचे।

बिहार: कोयले से लदे ट्रक और स्कॉर्पियो की टक्कर, 5 लोगों की मौत, 3 घायल

लखीसराय/एजेंसी।

बिहार के लखीसराय में मंगलवार को स्कॉर्पियो और ट्रक के बीच आमने-सामने की टक्कर में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई। मृतकों में एक बच्चा और दो महिलाएं शामिल हैं। इस घटना में तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह हादसा मंगलवार सुबह लखीसराय के तेतरहट थाना क्षेत्र में गुनसागर गांव के पास लखीसराय-जमुई मुख्य मार्ग पर हुआ। बताया गया कि स्कॉर्पियो जमुई से देवघर की ओर जा रही थी, तभी सामने से आ रहे एक ट्रक से उसकी टक्कर हो गई। हादसे का शिकार हुआ ट्रक कोयला ले जा रहा था और उस पर झारखंड का रजिस्ट्रेशन नंबर था। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे की सूचना मिलने पर डायल-112 पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से बचाव कार्य शुरू किया। घायलों और अन्य सवारों को इलाज के लिए लखीसराय सदर अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में



संपादकीय

कभी हां, कभी ना!

भारत से ट्रेड डील का क्या होगा, यह अमेरिका की अंदरूनी प्रक्रियाओं से तय होगा। तो फिर हर कुछ हफ्तों के बाद भारत सरकार के मंत्री से ऐसे संकेत क्यों देते हैं कि समझौता बस अब होने ही वाला है!

अभी कुछ ही रोज पहले विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि द्विपक्षीय व्यापार वार्ता के दौरान भारत और अमेरिका के बीच अधिकांश मुद्दे सुलझ चुके हैं और समझौता जल्द हो सकता है। उसके बाद वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल तो प्रस्तावित समझौते की शर्तों का विवरण बताने तक चले गए। कहा कि भारत को अमेरिकी बाजार में प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में प्राथमिकता मिलेगी– यानी भारतीय उत्पादों पर उनके उत्पादों से कम शुल्क लगेगा। इस बीच अमेरिकी पक्ष की ओर से भी संकेत दिए गए कि दोनों देश डील के बहुत करीब हैं। लेकिन अब वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने इस पूरी चर्चा को जो संदर्भ दिया है, उससे नहीं लगता कि जयशंकर या गोयल ने जो उम्मीदें जगाईं, वो जल्द पूरी होने वाली हैं।

अग्रवाल ने कहा कि नई अमेरिकी टैरिफ व्यवस्था घोषित होने और अमेरिका में सेक्शन 301 के तहत जारी जांच का नतीजा आने तक समझौते पर हस्ताक्षर नहीं किए जा सकते। वाणिज्य सचिव ने साफ किया कि अमेरिका का नया टैरिफ ढांचा यह तय करेगा कि विभिन्न देशों को कितनी तुलनात्मक छूट या बढ़त मिलेगी। उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष समझौते को जल्द पूरा करना चाहते हैं। लेकिन अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के पूर्व आपातकालीन और पारस्परिक टैरिफ रद्द करने के बाद अब नए नियमों के स्पष्ट होने का इंतज़ार है। फिर अमेरिकी व्यापार अधिनियम की धारा 301 के तहत चल रही जांच के नतीजे के आधार पर अतिरिक्त शुल्क या दंडात्मक टैरिफ तय हो सकते हैं।

स्पष्टतः तब तक अनिश्चय बना रहेगा। अर्थात भारत के साथ ट्रेड डील का क्या होगा, यह अमेरिका की अंदरूनी प्रशासनिक एवं विधायी प्रक्रियाओं से तय होगा। तो फिर यह समझना कठिन हो जाता है कि हर कुछ हफ्तों के बाद भारत सरकार के मंत्री से ऐसे संकेत क्यों देते हैं कि समझौता बस अब होने ही वाला है! आखिर उससे क्या लाभ होता है? या ऐसा देश में अमेरिका के पक्ष में जनमत को संभाले रखने के मकसद से किया जाता है, ताकि नरेंद्र मोदी सरकार अपनी विदेश या व्यापार नीति संबंधी अन्य प्राथमिकताओं को निर्बाध लागू कर पाए?

इस्लाम बढ़ेगा, इस्लाम का डर भी?

● श्रुति व्यास

इक्कीसवीं सदी के पोपुलिस्ट नेताओं के लिए इस्लाम राजनीति में तुरूप का इक्का है। तुर्की के रेचेप तैयप एर्दोआन ने मुसलमानों की उत्पीडऩ की भावना, उनकी ऐतिहासिक शिकायतों और पश्चिम से अलगाव में अपना राजनीतिक अवसर पकाया। नरेंद्र मोदी ने हिंदुओं की असुरक्षा और मुस्लिम आबादी को लेकर पैदा की जाने वाली आशंकाओं का चुनावी महत्त्व पहचाना। डोनाल्ड ट्रंप के सामने मतदाता अलग थे, मगर इस्तेमाल के लिए पूर्वाग्रह वही था। फर्क नहीं पड़ता कि नेता मुसलमान है या गैर-मुसलमान। राजनीति का नुस्खा एक था। इस्लाम से जुड़ी भावनाओं को भुनाओ और चुनाव जीतो।

लेकिन सोचें, उस दुनिया में इस राजनीति का तब क्या होगा, जब इस्लाम सबसे बड़ा धर्म बन जाएगा? क्या तब धार्मिक असुरक्षा और बढ़ेगी? क्या मुसलमानों की संख्या बढऩे के साथ उनके प्रति भय भी बढ़ता जाएगा? या दुनिया का बदलता धार्मिक भूगोल उन धारणाओं को ही गलत साबित करेगा, जिनके सहारे नेता दशकों से राजनीति करते आए हैं?

पिछले सप्ताह प्यू रिसर्च सेंटर की दुनिया के धर्मों के भविष्य पर आई रिपोर्ट ने ऐसे ही सवाल खड़े किए हैं। सवाल केवल धर्म का नहीं है। दुनिया की आबादी, उसके भूगोल, राजनीति और सभ्यताओं के भविष्य का भी है।

अनुमान है कि 2035 तक इस्लाम दुनिया का सबसे बड़ा धर्म बनकर ईसाई धर्म को पीछे छोड़ सकता है। तब मुसलमानों की आबादी लगभग दो अरब 57 करोड़ और ईसाइयों की दो अरब 52 करोड़ होगी। वर्ष 2070 तक मुसलमान तीन अरब 60 करोड़ से अधिक हो सकते हैं, जबकि ईसाइयों की संख्या तीन अरब के आसपास होगी। हिंदुओं की संख्या भी बढ×कर करीब एक अरब 40 करोड़ होने का अनुमान है, हालांकि विश्व आबादी में उनका अनुपात कुछ घट सकता है।

मगर इन संख्याओं से अधिक महत्त्वपूर्ण सवाल है कि इतने लोग रहेंगे कहाँ? दुनिया के धार्मिक भूगोल में कैसी उलटफेर होगी?

अनुमान के अनुसार 2070 तक पाकिस्तान, इंडोनेशिया को पीछे छोड×कर दुनिया की सबसे बड़ी मुस्लिम आबादी वाला देश होगा। वहाँ लगभग 46 करोड़ दस लाख मुसलमान होंगे। दूसरे स्थान पर भारत होगा, जहाँ 33 करोड़ 40 लाख मुसलमान होंगे। वही भारत, जहाँ दुनिया की सबसे बड़ी हिंदू आबादी रहती है और जहाँ हिंदू-मुस्लिम संबंध राजनीति का कभी समाप्त नहीं होने वाला विषय हैं। सोचें, भारत और पाकिस्तान मिलकर लगभग 80 करोड़ मुसलमानों का घर होंगे। दो पड़ोसी देश, जिनके बीच विभाजन, धर्म और राष्ट्रीय पहचान के सवाल आज भी सुलझे नहीं हैं। एक इस्लामी गणराज्य है, दूसरा संवैधानिक रूप से धर्मनिरपेक्ष गणराज्य। मगर दोनों में धर्म की राजनीति निर्णायक महत्त्व रखती है।

फ़िलिस्तीन के अंतर्व्यूह में राहुल, सोनिया और प्रियंका

● पंकज शर्मा

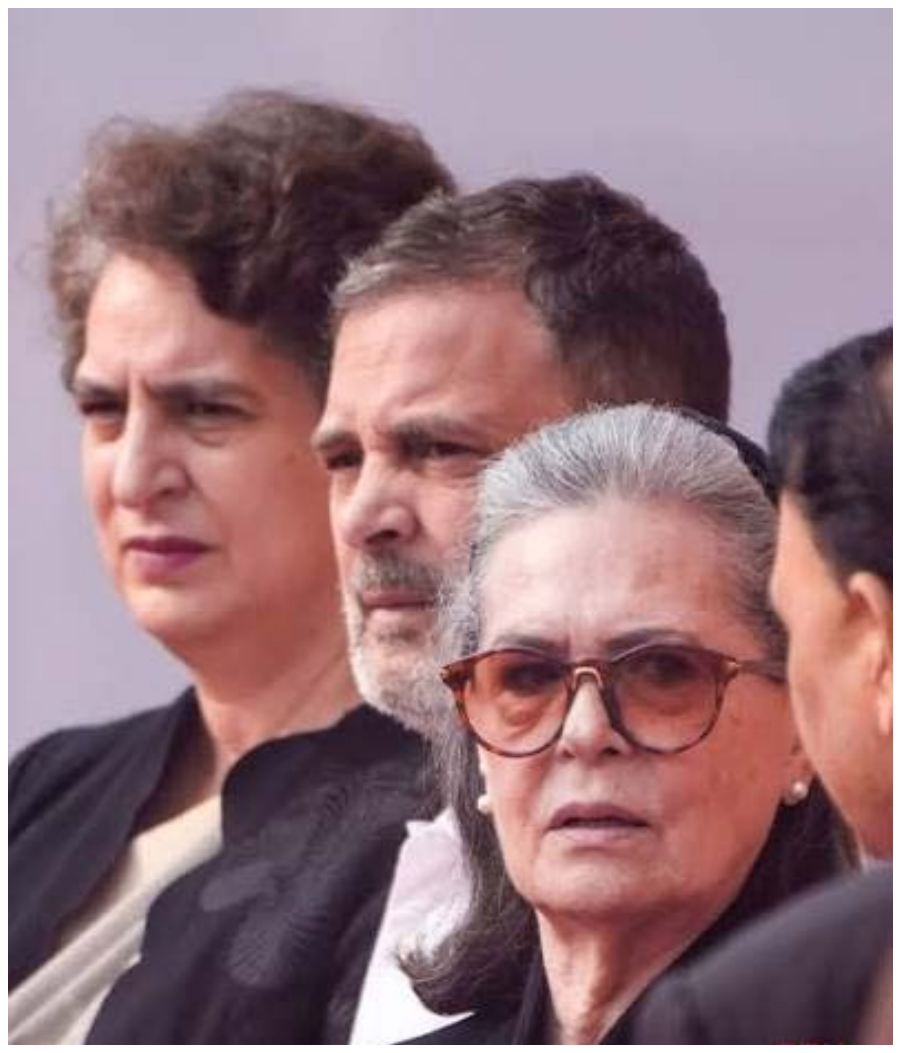

लगता है कि फिर किसी अगलिए-बगलिए ने शिकागो विश्वविद्यालय में प्रोफेसर रॉबर्ट पेप के साथ संवाद में राहुल गांधी से इज़रायल को ले कर ऐसी बातें कहलवा दीं, जिन से उल्टे बांस बरेली को लद गए। भारत-इज़रायल संबंधों और गाज़ा संघर्ष के मसलों की रस्सी पर संतुलन की नटबाज़ी दिखाने के चक्कर में राहुल दरअसल गच्चा खा गए हैं। उन्हें शोषण और दमन के साथ दिखाई देने के बजाय अत्याचार और उत्पीडऩ का ज़बरदस्त प्रतिकार करने वाला चेहरा माना जाता है। देश और परदेस में उन के लिए जो भी नेह बरसता दिखाई देता है, वह उन की इसी छवि की देन है। ऐसे में हमास द्वारा इज़रायल पर तीन बरस पहले किए गए हमले और गाज़ा में इज़रायल की सैन्य कार्रवाई से हज़ारों नागरिकों की मौत को एक तराजू पर रख कर बराबर-बराबर तोल देने और दोनों की एक सुर में समान निंदा करने के करतब को जो राहुल का 'रणनीतिक कौशल' बता रहे हैं, उन से मैं पूरी तरह असहमत हूं। सिर्फ़ इसलिए कि भारत को इज़रायल से अपनी सेना के लिए बेहतरीन हथियार खरीदने होते हैं, क्या कांग्रेस को अपने पारंपरिक वैचारिक रुख से हट कर खुद को अधिक 'व्यावहारिक और यथार्थवादी' साबित करने के लिए कलाबाजियां खाने की ज़रूरत होनी चाहिए? क्या बेहद अहम इम्तहान के मुहाने पर खड़े उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के वक़्त राहुल को यह सब कहने से ख़ासकर बचना नहीं चाहिए था? नरेंद्र भाई मोदी दरअसल तो इज़रायल के साथ मजबूत रणनीतिक साझेदारी बनाए रखने को तरज़ीह देते हैं और दिखावे के लिए संयुक्त राष्ट्रसंघ में फिलिस्तीन के अधिकारों का समर्थन करते हैं। राहुल ने अपने चेहरे पर भी वही बसंती रंग पोत कर किस का भला किया है?

मां सोनिया गांधी पिछले तीन बरस पहले से अभी चार महीने पहले तक अख़बारों में पांच-पांच लेख लिख कर देश-दुनिया को तफ़सील से इज़रायल की हैवानियत के बारे में बता चुकी हैं। वे खुल कर फ़िलिस्तीन के हक़ों के साथ खड़ी हैं। अक्टूबर 2023 में अपने लेख में उन्होंने गाज़ा में इज़रायल द्वारा मचाई गई मानवीय तबाही की घनघोर निंदा की। गाज़ा के मामले में संयुक्त राष्ट्रसंघ में भारत द्वारा मतदान के रुख पर भी सवाल उठाए। पिछले साल, 2025 में, सोनिया ने तीन लेख लिखे। जून में, जुलाई में और सितंबर में। जून के लेख में उन्होंने गाज़ा और ईरान पर इज़रायल के हमलों को ले कर भारत की चुप्पी को 'मूल्यों का समर्पण' बताया। जुलाई के लेख में उन्होंने गाज़ा में नागरिकों की मौत को 'नरसंहार' करार दिया और भारत की ऐतिहासिक परंपराओं का हवाला देते हुए मोदी-सरकार से मुखर होने की मांग की। सितंबर के लेख में सोनिया ने फ्रांस, ब्रिटेन, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया द्वारा फ़िलीस्तीन को एक संप्रभु राष्ट्र के रूप में मान्यता देने का ज़िक्र किया और याद दिलाया कि किस तरह भारत ने 1988 में ही फ़िलिस्तीन को मान्यता दे दी थी। उन्होंने लिखा कि हमारी सरकार की मौजूदा नीति नैतिकता और मानवता की उपेक्षा है।

इस बरस जून के आख़ीर में सोनिया ने फिर एक लेख लिखा और कहा कि गाज़ा में बच्चों के ख़िलाफ़ हो रही हिंसा पर भारत सरकार की चुप्पी ठीक नहीं है। तो इन पांच लेखों में सोनिया ने इस पर ज़ोर दिया कि भारत को अपनी पारंपरिक गुटनिरपेक्ष और नैतिक विदेश नीति की तरफ़ लौटने की ज़रूरत है और सरकार को फ़िलिस्तीनी नागरिकों के अधिकारों और फ़िलिस्तीन की संप्रभुता के पक्ष में एकदम स्पष्ट रुख अपनाना चाहिए। दो साल पहले, 2024 के दिसंबर महीने में प्रियंका गांधी भी फ़िलिस्तीन लिखा हुआ हैंडबैग ले कर संसद भवन में घूमती रही थीं। उन के बैग पर फ़िलिस्तीनी एकजुटता के प्रतीक माने जाने वाले तरबूज, शांति का प्रतीक सफेद कबूतर और जैतून की टहनी के चित्र भी बने हुए थे। शिकागो में राहुल के रुख पर सोनिया-प्रियंका अपना माथा तो ज़रूर खुजला रही होंगी।

गाज़ा में मानव अधिकारों की इज़रायल द्वारा खुली अवहेलना के बावजूद उस से हथियार खरीद जारी रखने का समर्थन कहीं राहुल के नैतिक क्षरण की तरह तो नहीं देखा जाएगा? कहीं इस से कोई विरोधाभासी संदेश तो नहीं जाएगा? देश के भीतर इज़रायल को ले कर सरकार की आलोचना करना और विदेश में उसी रक्षा साझेदारी का समर्थन करना सियासी असंगति नहीं है क्या? शिकागो-प्रसंग राहुल के राजनीतिक विरोधियों को तो उन की आलोचना करने का अवसर दे ही चुका है, मगर कहीं वे अपने वैचारिक समर्थकों के भीतर भी तो ठोस और दूरगामी ऊहापोह के अंकुर नहीं बो देंगे? राहुल ने अपनी साख कहीं दांव पर तो नहीं लगा दी है?

ठीक है कि बेंजामिन नेतन्याहू ही अभी इज़रायल के कार्यवाहक प्रधानमंत्री हैं और गादी आइजेनकोट के लिए सरकार बनाने लायक बहुमत जुटाना आसान साबित नहीं हो रहा है, मगर इस के चलते नेतन्याहू के इज़रायल से संबंधों की मजबूती की चाह ज़ाहिर करने की हड़बड़ी दिखाने के बजाय क्या राहुल को एक पखवाड़े या एक महीने का इंतज़ार नहीं कर लेना चाहिए था? आइजेनकोट के पास सरकार बनाने के लिए अभी 6 दिसंबर तक का वक़्त है। उस के बाद भी उन्हें 14 दिनों का समय और मिल सकता है। आइजेनकोट को सरकार बनाने के लिए 61 सदस्यों की ज़रूरत है। उन्हें 48 सीटें मिली हैं। अरब पार्टियों ने 19 सीटें जीती हैं। इस तरह उन्हें 67 सदस्यों का समर्थन हासिल हो सकता है। आइजेनकोट के कुछ दक्षिणपंथी सहयोगी अरब पार्टियों के साथ सरकार बनाने या बाहर से भी उन का समर्थन लेने के विरोध में हैं।

मगर आइजेनकोट के पास अरब पार्टियों के बिना भी सरकार बनाने का एक विकल्प है। व्यापक सहमति न बनने पर वे 6 दिसंबर के पहले अल्पमत की सरकार बनाने का दावा पेष कर सकते हैं। तब अरब पार्टियां अगर मतदान से अनुपस्थित रह जाएं तो साधारण बहुमत से आइजेनकोट की सरकार तो बन जाएगी। लेकिन इस सरकार का लंबे समय तक टिके रहना कितना मुमकिन होगा झ कहना मुश्क़िल है। हो सकता है कि राहुल ने इसी परिस्थिति के मद्देनज़र नेतन्याहू के घर की तरफ़ खुलने वाली खिड×की खुली रखने का काम शिकागो में किया हो। जो हो, राहुल के लिए बेहतर होता कि वे फ़िलवक़्त खुद ख़ामोशी बरतते। आइजेनकोट हर हाल में नेतन्याहू से ज़्यादा मुफ़ीद साबित होंगे। वे स्वतंत्र फिलिस्तीन राष्ट्र के निर्माण के निर्माण में भले ही सक्रियता न दिखाएं, वेस्ट बैंक से संबंधित नीतियों में भले ही बहुत क्रांतिकारी बदलाव न करें, लेकिन वे इज़रायल में लोकतांत्रिक संस्थाओं की पुनर्बहाली का काम तेज़ी से करेंगे। इतना भी अभी के लिए काफी होगा।

सो, राहुल नाहक यह कंकर न फेंकते तो शायद मौजूं होता। मगर चूंकि उन्होंने इस बहस का आगाज़ कर ही दिया है तो कांग्रेस द्वारा इस मसले पर रची जाने वाली भावी शाब्दिक संरचनाओं पर नज़र रखिए। मुझे लगता है कि आगे-पीछे राहुल को अपने तराजू का वह पलड़ा थोड़ा हल्का करना ही पड़ेगा, जिस पर नेतन्याहू का इज़रायल सवार है। गाज़ा को वजनदार बनाए रखना ही अंततः कांग्रेस की नियति है।

आज का राशिफल

मेष राशि

आज आपका दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आप किसी जरूरी काम से बाहर जा सकते हैं, अपना जरूरी सामान रखना न भूलें। आज आपके बिजनेस में रोज की अपेक्षा अच्छा प्रॉफिट होगा। फ्रेंड्स के साथ ट्रिप पर जाने का प्लान बना सकते हैं। किसी रिश्ते में चल रही अनबन आज समाप्त हो जाएगी। आज जीवनसाथी को सरप्राइज देने के लिए ज्वेलरी खरीदने जा सकते हैं। परिवार में बड़े बुजुर्गों का ध्यान रखें। विष्णु कृपा से बिगड़े काम बन सकते हैं।

वृष राशि

आज का दिन उत्साह से भरा रहने वाला है। आपके व्यापार में स्थिति बेहतर बनी रहेगी। पारिवारिक जीवन में हो रही अनबन आज समाप्त होगी, आपके परिवार में खुशियां बढ़ेंगी। नर्सिंग कर रहे छात्रों को उनके करियर में सफलता मिलेगी। आज आपके कुछ नए दोस्त बनेंगे। अगर आप जॉब की तलाश कर रहे हैं तो आज अपना बायोडाटा भेजने या किसी इंटरव्यू देने के लिए काफी अच्छा दिन है। आज किसी काम को पूरा करने में आपको पिता का सहयोग मिलेगा।

मिथुन राशि

आज का दिन आपके जीवन में खुशियां लेकर आया है। आज बच्चों को करियर के मामले में कोई बड़ी खुशखबरी मिलेगी। अपने से बड़ों की बातें गौर से सुनें, भविष्य में आपके लिए फायदेमंद रहेगी। युवाओं को बढिय़ा नौकरी मिलने की संभावना बन रही है। कारोबार में तरक्की के अवसर प्राप्त होंगे। जो लोग राजनीति से जुड़े हुए हैं उन्हें पुराने किए गए कार्यों की वजह से वाहवाही मिलेगी। इलेक्ट्रॉनिक सामान खरीदना चाहते हैं तो आज का दिन अच्छा है। दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी।

कर्क राशि

आज आपका दिन सामान्य रहेगा। घर से दूर रहकर पढ़ाई कर रहे स्टूडेंट्स आज माता-पिता से मिल सकते हैं। कंपनी में कार्य कर रहे कर्मचारियों की सैलरी में इंक्रीमेंट होगा। प्राइवेट शिक्षकों को किसी अच्छे कॉलेज से जॉब का प्रपोजल आएगा। सोशल वर्क से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन बेहतर रहने वाला है। आज लवमेट कहीं घूमने जा सकते हैं, आपके रिश्ते की डोर और मजबूत बनेगी। सरकारी जॉब की तैयारी कर रहे लोगों को मेहनत जारी रखने की आवश्यकता है।

सिंह राशि

आज का दिन बढिय़ा रहने वाला है। करियर को बढ़ाने में किए गए प्रयासों के चलते लाभ होगा। आज अपने प्रिय व्यक्ति से मिलने के कारण आपको खुशी होगी। आज आपकी अच्छी छवि निखर कर लोगों के सामने आएगी। संतान की सफलता के कारण घर में खुशी का माहौल बना रहेगा। शाम को जीवनसाथी के साथ अच्छा समय बीतेगा। बच्चे आज किसी जरूरी काम में अपनी माता की मदद मांगेंगे। आज आपका स्वास्थ्य ठीक रहेगा। विष्णु कृपा से रुका हुआ काम पूरा हो सकता है, आपको मानसिक शांति मिलेगी।

कन्या राशि

आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज आपके कार्यस्थल पर काम ज्यादा रहेगा। आज आपको किसी अनजान पर अत्यधिक विश्वास करने से बचना चाहिए। आप सामाजिक स्तर पर कुछ नए बदलाव करने की सोचेंगे, आपको अन्य लोगों का साथ भी मिलेगा, इससे आपका काम आसान हो जाएगा। आज आपकी सोच सकारात्मक बनी रहेगी, आपको कार्यों में सफलता प्राप्त होगी। कुल मिलाकर आज का दिन अच्छा रहने वाला है। छात्रों को सफलता मिलने के योग बने हुए हैं।

तुला राशि

आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आपके बच्चे बिजनेस में आपका पूरा सपोर्ट करेंगे। सिनेमा जगत के कलाकारों के लिए दिन विशेष रूप से अच्छा है। आज आप काम करने का नया प्लान बनाएंगे, इससे आपके काम आसानी से पूरे होते जाएंगे। आज आप छोटी-छोटी बातों में भी खुशियां ढूंढने में कामयाब होंगे। आज आप परिस्थिति को ठीक से समझने की कोशिश करेंगे तो आपको आसानी से हल मिल जाएगा। अविवाहित लोगों के लिए विवाह के अच्छे रिश्ते आएंगे।

वृश्चिक राशि

आज का दिन आपके लिए उमंग से भरा रहने वाला है। आज कारोबार संबंधी योजनाओं को अपरिचित लोगों के सामने जाहिर न करें, कोई इसकी कॉपी कर सकता है। प्रॉपर्टी सेल-परचेज संबंधी बिजनेस में अच्छा लाभ होगा। इस राशि की वर्किंग महिलाएं कामकाज की वजह से व्यस्त रहेंगी। कोई जरूरत का सामान खरीदने मार्केट जाएंगे, जहां आपकी मुलाकात किसी रिश्तेदार से होगी, उनके साथ आप कुछ चीजों को लेकर विचार-विमर्श करेंगे। लवमेट मूवी देखने जाएंगे, साथ ही एक-दूसरे की भावनाओं की कद्र करेंगे।

धनु राशि

आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज आपके काम तय समय से पूरे होते हुए नजर आ रहे हैं। इस राशि के स्टूडेंट आज अपनी पढ़ाई को लेकर उत्साहित होंगे। बिजनेस को बढ़ाने के लिए नया प्लान बनाएंगे, जो कारगर साबित होगा। आज अचानक धन मिलने से आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। आज दांपत्य जीवन में खुशियां बनी रहेंगी। कार्यों में माता-पिता का सहयोग मिलने से आपको प्रसन्नता होगी।

मकर राशि

आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। आज आपके बिजनेस में तरक्की होने के योग बने हुए हैं। अपने आसपास की सफाई का पूरा ध्यान रखेंगे। किसी काम में कम मेहनत से ही सफलता मिल जाएगी, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। खिलाडिय़ों को आज अपने कोच के द्वारा प्रोत्साहन मिलेगा, जिससे वह खेल में अच्छा प्रदर्शन कर सकें। आज आप कुछ नया करने की सोच सकते हैं। जीवनसाथी आज आपसे किसी ज्वेलरी की डिमांड कर सकती है। आज आप कार्यक्षेत्र में चुनौतियों का सामना करने में सक्षम रहेंगे। आपका खुशनुमा व्यवहार घर में रौनक का माहौल बना देगा।

कुंभ राशि

आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। किसी बुजुर्ग की सहायता करने पर आपको अच्छा महसूस होगा। आज आप सकारात्मक सोच के साथ कार्यों को करेंगे तो आपको सफलता अवश्य मिलेगी। साइंस के अध्यापकों का दिन आज काफी व्यस्त रहेगा। आज ऑफिस में अपने कार्यों को ध्यानपूर्वक करें, ताकि आपकी कोई बैक-बाइटिंग न कर पाए। इस राशि के व्यवसाय से जुड़े लोगों को उम्मीद से अधिक धन लाभ होगा। सामाजिक स्तर पर आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी। छात्रों का दिन राहत भरा रहेगा, नया शेड्यूल बनाने का भी विचार कर सकते हैं। कुल मिलाकर आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है।

मीन राशि

आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। छात्रों को सीनियर्स से कुछ नया सीखने को मिलेगा। किसी काम को लेकर आज भागदौड़ करनी पड़ सकती है। ऑफिस में आपके काम की तारीफ होगी। परिवार में किसी की तरक्की से उत्सव का माहौल बनेगा। अपने बच्चों को उपहार देंगे, बच्चों में खुशी का माहौल दिखेगा। आज बुजुर्गों के साथ समय बिताएं, उन्हें काफी अच्छा लगेगा। परिवार में अपनी जिम्मेदारियां पूरी कर लेने से मन उत्साह से भरा रहेगा। आज आप सामाजिक स्तर पर लोगों की मदद के लिए आगे बढ़ेंगे। इस राशि के मीडिया से जुड़े लोगों को सुनहरे अवसर प्राप्त होंगे।

सू- दोकू क्र.59

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.58 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

शब्द सामर्थ्य -59

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. बात, घटना, माजरा, मुकदमा (उर्दू) 3. अलावा, अतिरिक्त 6. प्रेम, इच्छा 7. मां का बच्चे के प्रति प्रेम 8. गलती, जुर्म, गुनाह, दोष 10. मग्न, लीन, खुश, प्रसन्न 12. धनुष, समादेश, फौजी टुकड़ी 13. एक कल्पित पत्थर जो लोहे को छूकर सोना बना देता है 16. हिम्मत, साहस, सामर्थ्य 17. बनावटी, अनुकृति, असली का विलोम 18. अबोध, नासमझ 20. ब्रह्मपुत्र एक प्रसिद्ध हरिभक्त देवर्षि 22. गहरा नीला, काला 23. व्याकुल, बेसब्र 24. मन, चित्त, आदरसूचक तथा सहमति सूचक एक शब्द।

ऊपर से नीचे

1. स्वामी, नाथ 2. बेबस, मजबूर, विवश 3. अन्याय, अत्याचार, जुल्म 4. मध्य एशिया का एक देश 5. पुस्तक 9. बहादुर, वीर 11. सैनिक विद्रोह 12. नीच, अधम 12 ए. प्रणाम, झुकना 13. भरण-पोषण करना, परवरिश करना, छोटा झूला, हिंडोला 14. प्रमाण, प्रमाणिक कथन 15. स्वाभाविक ढंक, योग्यता, लियाकत, सभ्यता और शिष्टता, शऊर (उ.) 19. बिजली, तड़ित 21. रात में दिखाई न पड़ने का नेत्र संबंधी रोग।

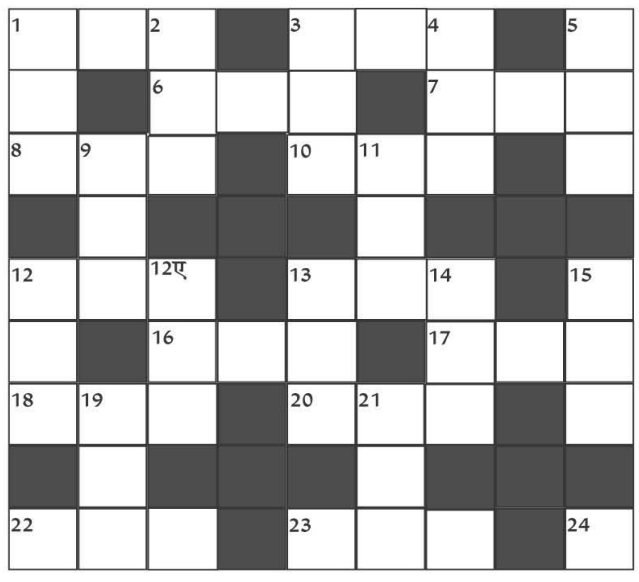

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 58 का हल

प	सं	द	■	सिं	हा	स	न	■
ख	■	म	ज	दू	र	■	का	म
वा	द	क	■	र	■	सं	ब	ल
ड़	■	ल	ज्जा	■	म	स्का	■	य
■	बा	■	■	बि	हा	र	■	■
सु	धा	क	र	■	न	■	■	औ
रं	■	म	■	कि	ता	ब	■	स
ग	■	अ	र	सा	■	हु	ज्ज	त
■	श	क्ल	■	न	मि	त	■	न

संक्षिप्त समाचार

गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा पहुंचीं उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की



चमकता राजस्थान जयपुर। श्री गुरु नानक देव जी के पावन प्रकाश पर्व के अवसर पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने आज राजापार्क स्थित गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा में आयोजित गुरुपर्व कार्यक्रम में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने गुरु महाराज जी के चरणों में शीश नवाकर प्रदेश की सुख-शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की मंगलकामना की।
इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने समस्त प्रदेशवासियों को श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि गुरु नानक देव जी की शिक्षाएं और आदर्श आज भी समाज को सत्य, सेवा, समानता एवं भाईचारे का संदेश देते हैं।
उन्होंने कहा कि हम सभी को गुरु नानक देव जी के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करना चाहिए और उनके दिखाए मार्ग पर चलते हुए मानवता, प्रेम एवं सद्भावना को बढ़ावा देना चाहिए।
गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा की और से उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी को तलवार और सभी सिक्ख गुरुओं का चित्र भी भेंट किया।
इस अवसर पर गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा के अध्यक्ष, अजयपाल सिंह , राजापार्क व्यापार मंडल के अध्यक्ष रवि नय्यर; गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा के सचिव रविंद्र सिंह नरूला और राजस्थान राज्य अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व चेयरमैन जसबीर सिंह भी उपस्थित रहे।

जयपुर वीरों की नगरी है, प्राचीनकाल से यहां सनातनियों का बोलबाला रहा है,स्वामी संवदेशानंद ब्रह्मगिरी महाराज

चमकता राजस्थान अविनाश शर्मा जयपुर अंतर्राष्ट्रीय संत बौद्धिक मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सनातनी अखाड़ा के संस्थापक, संयोजक स्वामी सवदेशानंद ब्रह्मगिरी महाराज ने अंजनेय धाम निवारू रोड जयपुर के पीठाधीश्वर श्री श्री 1008 श्री महामंडलेश्वर स्वामी छगनदास जी महाराज को राष्ट्रीय महामंत्री नियुक्त किया है राष्ट्रीय महामंत्री श्री श्री 1008 श्री महामंडलेश्वर स्वामी छगन दास महाराज ने बताया कि भारत माता परिक्रमा की जा रही है यह परिक्रमा उड़ीसा से प्रारंभ होकर छत्तीसगढ़ मध्य प्रदेश होते हुए राजस्थान की राजधानी जयपुर में पहुंची जहां पर भक्तों द्वारा स्वदेशानंद ब्रह्मगिरि महाराज एवं स्वामी अखंडानंद महाराज का भव्य स्वागत सत्कार किया स्वामी संवदेशानंद ब्रह्मगिरी महाराज ने सभी भक्तों को आशीर्वाद देते हुए सभी को उड़ीसा की राजधानी भुवनेश्वर में आयोजित होने वाले विशाल संत महाकुंभ 7 फरवरी से 11 फरवरी 2027 के लिए आमंत्रित किया स्वामी जी ने संगठन के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि यह संगठन देश और विदेश में काम कर रहा है आज संगठन में 11 करोड़ सदस्य देश और विदेश में काम कर रहे हैं, संगठन का लक्ष्य 2030 के पूर्व 25 करोड़ सदस्य बनाने का है उन्होंने कहा कि जयपुर को गुलाबी शहर के नाम से जाना जाता है, जयपुर वीरों की नगरी है,प्राचीन काल से ही सनातनियों का वर्चस्व रहा है

पुणे की छह दशकों पुरानी आध्यात्मिक परंपरा का भव्य उत्सव सम्पन्न

साधु वासवानी मिशन की 60वीं वार्षिक रथयात्रा में उमड़ा श्रद्धा, भक्ति और मानवता का जनसैलाब

चमकता राजस्थान

पुणे। प्रेम, करुणा, शांति और समस्त जीवों के प्रति सम्मान का सार्वभौमिक संदेश जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से साधु वासवानी मिशन द्वारा 60वीं वार्षिक रथयात्रा का भव्य आयोजन किया गया। आध्यात्मिक विभूति एवं महान मानवतावादी गुरुदेव साधु टीएल. वासवानीजी की 147वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित इस रथयात्रा ने पुणे की छह दशक पुरानी आध्यात्मिक विरासत को एक बार फिर जीवंत कर दिया। जनसंपर्क अधिकारी नरेश सिंघानी ने बताया कि मिशन परिसर से प्रारंभ हुई लगभग पाँच किलोमीटर लंबी यह भव्य शोभायात्रा पुणे कैंप के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी। काउंसिल हॉल, पूना क्लब, दोराबजी, बाबाजान चौक और महात्मा गांधी रोड जैसे प्रमुख स्थलों से गुजरती इस यात्रा के दौरान शहरवासियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। विभिन्न आयु वर्गों और सामाजिक पृष्ठभूमियों के लोगों ने मार्ग में एकत्र होकर गुरुदेव को श्रद्धापूर्वक नमन किया तथा उनके प्रेम, करुणा, अहिंसा और प्रत्येक जीव के प्रति आदरभाव के संदेश को आत्मसात किया। वर्ष 1966 में प्रारंभ हुई यह रथयात्रा आज पुणे की एक विशिष्ट धार्मिक एवं आध्यात्मिक परंपरा का स्वरूप ले चुकी है। इस वर्ष विशेष रूप से सुसज्जित रथ पर पूज्य गुरुदेव साधु टीएल. वासवानीजी की जीवंत प्रतिमा तथा पूज्य दादा जेपी. वासवानीजी का चित्र विराजमान था। रथ के साथ भजन-कीर्तन मंडलियों और शाकाहार एवं मांसाहार-मुक्त जीवनशैली का संदेश प्रसारित करने वाली आकर्षक झांकियों ने शोभायात्रा की आध्यात्मिक गरिमा को और बढ़ाया। पूरे मार्ग में भक्तिमय वातावरण छाया रहा। भजन-कीर्तन की मधुर स्वर लहरियों के बीच 'विश्व शांति के लिए चले हैं हम शांति मार्ग पर' जैसे प्रेरणादायी भजन गूंजते रहे। युवाओं ने हाथों में संदेशपरक तख्तियां लेकर मानवता, शांति और अहिंसा की आवाज बुलंद की। 'सभी प्रक ार की हत्याएं बंद करो' जैसे नारों के माध्यम से उन्होंने हिंसा-मुक्त विश्व और प्रत्येक जीव के सम्मान का प्रभावशाली संदेश दिया।

साधु वासवानी मिशन की ग्लोबल हेड पूज्य दीदी कृष्णा कुमारी ने उपस्थित श्रद्धालुओं एवं नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा, मनुष्य को पशुओं से अलग करने वाली सबसे बड़ी विशेषता उसकी चयन करने की क्षमता है। पशु अपनी सहज प्रवृत्तियों के अनुसार जीवन व्यतीत करते हैं, लेकिन मनुष्य के पास प्रेम अथवा



घृणा, निःस्वार्थता अथवा स्वार्थ और संरक्षण अथवा हिंसा में से किसी एक को चुनने का विवेक है। इसलिए हमें अपने इस विवेक का उपयोग समस्त जीवों के प्रति प्रेम, दया और करुणा प्रकट करने के लिए करना चाहिए। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि अहिंसा केवल एक विचार या सिद्धांत बनकर न रहे, बल्कि हमारे व्यवहार, आहार और जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा बने। प्रत्येक जीव के प्रति संवेदना और सम्मान ही सच्ची मानवता की पहचान है।

इस रथयात्रा का एक महत्त्वपूर्ण उद्देश्य आगामी 25 नवंबर को मनाए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय मांसाहार-मुक्त दिवस के प्रति जनजागृति उत्पन्न करना भी था। गुरुदेव साधु टीएल. वासवानीजी की जयंती के अवसर पर मनाया जाने वाला यह दिवस प्रेम, करुणा और अहिंसा के सिद्धांतों को जीवन में अपनाने का संदेश देता है। इस पहल के माध्यम से लोगों को मांसाहार तथा हिंसा से जुड़े खाद्य पदार्थों का त्याग कर संवेदनशील, करुणामय और शाकाहारी जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया जाता है। भारतीय संस्कृति की सेवा और प्रसाद वितरण की परंपरा को निभाते हुए रथयात्रा के मार्ग में राहगीरों एवं श्रद्धालुओं को रेवड़ी एवं लंगर प्रसाद वितरित किया गया।

● साधु वासवानी रथयात्रा के बारे में..

जनसंपर्क अधिकारी नरेश सिंघानी के मुताबिक साधु वासवानी रथयात्रा पुणे की एक प्रतिष्ठित वार्षिक आध्यात्मिक परंपरा है, जिसकी शुरुआत वर्ष 1966 में हुई थी। गुरुदेव साधु टीएल. वासवानीजी की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित यह यात्रा समाज के विभिन्न वर्गों को एक सूत्र में पिरोती है। इसका मूल उद्देश्य प्रेम, शांति, सेवा, करुणा, अहिंसा और समस्त जीवों के प्रति श्रद्धा एवं सम्मान के गुरुदेव के संदेश का व्यापक प्रसार करना है।

● गुरुदेव साधु टीएल. वासवानीजी के बारे में

गुरुदेव साधु टीएल. वासवानीजी (1879ञ1966) प्रख्यात शिक्षाविद्, दार्शनिक, महान आध्यात्मिक गुरु और मानवतावादी चिंतक थे। उनका संपूर्ण जीवन प्रेम, सेवा, त्याग और करुणा के आदर्शों को समर्पित था। प्रत्येक जीव के प्रति उनके हृदय में असीम प्रेम और संवेदना थी। उनके सान्निध्य में आने वाला प्रत्येक व्यक्ति उनके व्यक्तित्व की दिव्यता, आत्मीयता और प्रेमपूर्ण ऊर्जा से अभिभूत हुए बिना नहीं रहता था।

● गुरुदेव साधु वासवानी का प्रेरक संदेश था कि..

जीवन के प्रति श्रद्धा का अर्थ है समस्त जीवों और संपूर्ण ब्रह्मांड से प्रेम करना। यह श्रद्धा हमें इस बात के लिए प्रेरित करती है कि हम किसी को भी पीड़ा न पहुँचाएँ। यह पीड़ा तीन प्रकार की होती है ; विचारों से दी गई पीड़ा, शब्दों से दी गई पीड़ा और कर्मों से दी गई पीड़ा।

● अंतरराष्ट्रीय मांसाहार-मुक्त दिवस के बारे में..

जनसंपर्क अधिकारी नरेश सिंघानी के अनुसार प्रत्येक वर्ष 25 नवंबर को गुरुदेव साधु टीएल. वासवानीजी की जयंती के अवसर पर अंतरराष्ट्रीय मांसाहार-मुक्त दिवस मनाया जाता है। पूज्य दादा जेपी. वासवानीजी द्वारा वर्ष 1986 में प्रारंभ की गई इस वैश्विक पहल का उद्देश्य विश्वभर में करुणा, अहिंसा और जीवमात्र के प्रति सम्मान की भावना को प्रोत्साहित करना है। इस दिन लोगों से मांसाहार का त्याग कर शाकाहारी जीवनशैली अपनाने तथा सभी जीवों के प्रति दया और संवेदनशीलता का परिचय देने का आ''ान किया जाता है।

राष्ट्रीय पत्रकार संघ भारत को राजस्थान में संगठन को मिली बड़ी ताकत, कमल साहु प्रदेश प्रभारी और कैलाश चंद्र माली प्रदेश महामंत्री बनाए गए

पहले से 40 लोग संगठन में शामिल हुए,आज 13 पदाधिकारी भी साथ आए

चमकता राजस्थान

राष्ट्रीय पत्रकार संघ भारत में राजस्थान राज्य से बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने पर आवशयक सूचना जारी की गई है। राष्ट्रीय अध्यक्ष जी को सूचित किया जाता है कि राजस्थान राज्य के संगठन के पुराने वरिष्ठ कार्यकर्ता के माध्यम से लगभग 40 लोगों ने संगठन में सदस्यता ग्रहण की है और अभी इतने ही लोग और संगठन में शामिल होने वाले हैं संपादक कमल साहु जी को (प्रदेश प्रभारी) एवं संपादक कैलाश चंद्र माली जी को (प्रदेश महामंत्री), भरतरी मीणा (प्रदेश सचिव)राजस्थान बनाने का प्रस्ताव रखा गया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष जगदीश सिंह चंदेल एवं राष्ट्रीय संगठन प्रभारी भागवत द्विवेदी जी के माध्यम से प्रस्तावित किया गया है। संगठन की ओर से दोनों पदाधिकारियों का हार्दिक





स्वागत है
राजस्थान राज्य के नवनियुक्त प्रदे-श प्रभारी कमल साहु जी के साथ संगठन में शामिल हुए 11 वर्तमान पदाधिकारीविजय मेहरानिया ब्यावर कपिल सेन ब्यावर महेन्द्र वैष्णव - राजसमंद ओमप्रकाश तेली - भीलवाड़ा रमेश चंद डोडिया - कोटा चित्रांश शर्मा - शाहपुरा लकी जोशी - ब्यावर गोविंद सिंह - मसूदा छगनलाल - ब्यावर डालचंद गुर्जर - आसींद सोहन सिंह रावणा - तगतगढ़ सुगनाराम मेघवाल जोधपुर जिला मगराज मेघवाल फलोदी जिला लक्ष्मण राम बाड़मेर जिला
संगठन का नारा है - संगठन वही, जो सच कहे।

सांचौरः सिपाहियों की ढाणी के पास नहर टूटने से पानी सप्लाई बाधित, अधिकारी मौके पर पहुंचे, मरम्मत कार्य शुरू

● विक्रम सिंह बाखासर भामाशाह काना राम ने वाहन लेकर संभाली जिम्मेदारी, ग्रामीणों और भामाशाहों ने भी दिया सहयोग, जल्द बहाल होगी जलापूर्ति



चमकता राजस्थान सांचौर। ग्राम पंचायत सिपाहियों की ढाणी से गुजरने वाली नहर टूटने से पानी की सप्लाई बाधित हो गई। घटना की सूचना मिलते ही संबंधित अधिकारी मौके पर पहुंचे और नहर की मरम्मत का कार्य शुरू करवाया। जानकारी के अनुसार गर्मियों के दौरान धूल भरी आंधियों के चलते नहर में कई जगह रेत जमा हो जाती है। इससे पानी का प्रवाह प्रभावित होता है। नहर में रेत जमा होने के कारण एक स्थान पर पानी अधिक मात्रा में इकट्ठा हो गया, जिसके चलते नहर टूट गई। नहर की मरम्मत के दौरान भामाशाह काना राम ने अपने वाहन मौके पर पहुंचाकर अधिकारियों को सहयोग दिया। इसके साथ ही अन्य भामाशाहों और ग्रामीणों ने भी आगे आकर श्रम एवं संसाधनों से सहयोग किया।अधिकारियों और ग्रामीणों के संयुक्त प्रयासों से मरम्मत कार्य तेजी से जारी है। उम्मीद जताई जा रही है कि कुछ ही समय में नहर को दुरुस्त कर पानी की सप्लाई सुचारू रूप से शुरू कर दी जाएगी।

दिवा में अतिक्रमण विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल! बुजुर्ग फल विक्रेता से फल लेकर पैसे नहीं देने का आरोप, व्यापारियों का दावाझ जब्त सामान भी हो जाता है गायब!

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो से अतिक्रमण विभाग की कार्यशैली पर उठे सवाल; सहायक आयुक्त डॉ. प्रवीण कुमार फड और उनकी टीम से निष्पक्ष जांच व दोषियों पर कठोर कार्रवाई की उम्मीद

जनता को अपने निडर और ईमानदार अधिकारी पर भरोसा!

चमकता राजस्थान

प्रतिनिधि : अरविंद कोठारी दिवा : ठाणे महानगरपालिका की दिवा प्रभाग समिति के अतिक्रमण विभाग की कार्यप्रणाली एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में कथित तौर पर अतिक्रमण विभाग से जुड़े कुछ कर्मचारी एक बुजुर्ग फल विक्रेता महिला के पास बैठकर फल खाते दिखाई दे रहे हैं। आरोप है कि फल खाने के बाद उन्होंने महिला को पैसे नहीं दिए और वहां से चले गए। इस घटना ने गरीब और मेहनतकश फेरीवालों के साथ होने वाले व्यवहार को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। बताया जा रहा है कि दिवा प्रभाग समिति के अतिक्रमण विभाग में ठेकेदार के माध्यम से मजदूरों की नियुक्ति की जाती है, जिन्हें अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई में लगाया जाता है। ऐसे में वायरल वीडियो में दिखाई देने वाले लोगों की वास्तविक पहचान, उनकी जिम्मेदारी और उनकी कार्यप्रणाली की जांच करना प्रशासन के लिए जरूरी हो गया है।

● क्या यह सिर्फ एक छोटी घटना है या बड़े सवालों की शुरुआत?

दिवा के व्यापारियों का कहना है कि यह मामला केवल एक बुजुर्ग फल विक्रेता से फल लेकर पैसे नहीं देने



तक सीमित नहीं है।
व्यापारियों का आरोप है कि अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान उनका सामान जब्त किया जाता है, लेकिन बाद में कई बार जब्त किया गया सामान गायब हो जाता है। इस तरह की शिकायतों में मनपा कर्मचारियों पर भी आरोप लगाए जाते रहे हैं। हालांकि, इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि और निष्पक्ष जांच होना आवशयक है। व्यापारियों का सवाल है कि यदि मनपा प्रशासन किसी व्यापारी का सामान अतिक्रमण के नाम पर जब्त करता है, तो उस सामान की पूरी सूची क्यों नहीं दी जाती?
जब्त सामान कहां रखा जाता है, उसका रिकॉर्ड कौन रखता है और उसे वापस करने की जिम्मेदारी किसकी होती है? यदि जब्त सामान गायब होता है, तो उसकी जवाबदेही किस अधिकारी या कर्मचारी की तय की जाएगी?

● ठेकेदार के मजदूरों की भूमिका और जब्त सामान का रिकॉर्ड जांच के दायरे में आए!

दिवा प्रभाग समिति के अतिक्रमण विभाग में ठेकेदार के माध्यम से काम करने वाले मजदूरों की नियुक्ति, उनकी पहचान, ड्यूटी और कार्रवाई के दौरान उनकी जिम्मेदारियों की जांच होनी चाहिए। साथ ही अतिक्रमण कार्रवाई में जब्त किए गए सामान का पंचनामा, सूची, स्टॉक रजिस्टर और सामान वापस करने की प्रक्रिया भी सार्वजनिक रूप से स्पष्ट होनी चाहिए, ताकि किसी गरीब व्यापारी या फेरीवाले के साथ अन्याय न हो।

अलाव की गर्माहट के बीच जवानों के साथ चाय की चुस्की लेते नजर आए डीग एसपी

● धिलावटी चौकी इंचार्ज खेम सिंह सहित पुलिसकर्मियों का बढ़ाया हौसला



चमकता राजस्थान संवाददाता राकिब खांन कामां। सर्दी की शाम, अलाव की गर्माहट और चाय की चुस्कियों के बीच डीग पुलिस अधीक्षक कांबले शरण गोपीनाथ का पुलिसकर्मियों के साथ संवाद का अनूठा अंदाज देखने को मिला। एसपी कामां थाना क्षेत्र की धिलावटी पुलिस चौकी पहुंचे, जहां उन्होंने अलाव के पास पुलिसकर्मियों के साथ बैठकर चाय पी और उनका हौसला बढ़ाया। इस दौरान एसपी ने चुनावी ड्यूटी के दौरान पुलिसकर्मियों द्वारा किए गए सहयोग और बेहतर व्यवस्थाओं के लिए उनकी सराहना करते हुए आभार जताया। साथ ही जवानों से बातचीत कर ड्यूटी व्यवस्था और क्षेत्र की कानून-व्यवस्था को लेकर फीडबैक लिया। इसके बाद एसपी ने उत्तर प्रदेश सीमा से सटे बॉर्डर क्षेत्र का निरीक्षण किया और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए आवशयक व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने को लेकर पुलिस की तैयारियों का भी निरीक्षण किया। सर्द मौसम में अलाव के पास जवानों के साथ बैठकर चाय पीने और उनका उत्साह बढ़ाने का एसपी का यह सहज अंदाज पुलिसकर्मियों के बीच चर्चा का विषय बना रहा।

संक्षिप्त समाचार

राजकीय चिकित्सालय रानी में भामाशाह के सहयोग से पानी की प्याऊ का शिलान्यास

- विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर रखी नींव, मरीजों एवं आमजन को मिलेगी सुविधा



चमकता राजस्थान भरत कुमार गांधी। रानी। राजकीय चिकित्सालय परिसर रानी में भामाशाह एवं डॉ. देवेन्द्र चौधरी, प्रेस रिपोर्टर नगराज वैष्णव तथा सुरेन्द्रकुमार मेहता द्वारा पानी की प्याऊ का शिलान्यास किया गया। इस अवसर पर पंकज सारस्वत एवं पंडितजी के सान्निध्य में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर नींव रखी गई तथा शिलान्यास समारोह आयोजित हुआ। शिलान्यास के तहत चिकित्सालय परिसर में दोनों तरफ बाउंड्री के अंदर एवं बाहर नल लगाए जाएंगे। साथ ही आरो वाटर कूलर प्याऊ की सुविधा भी रहेगी, जिससे मुख्य रोड पर बाउंड्री के बाहर तथा अंदर दोनों तरफ लोगों को शुद्ध पेयजल मिल सकेगा।

इससे चिकित्सालय में उपचार के लिए आने वाले मरीजों, उनके परिजनों तथा आमजन को पेयजल की सुविधा मिलेगी। इस कार्य से अस्पताल परिसर में आने वाले लोगों को काफी राहत मिलेगी।

इस पहल को चिकित्सालय में सुविधाओं के विस्तार की दिशा में सराहनीय कदम माना जा रहा है।

पूर्णिमा पर तिलकपुर धाम में उमड़ा आस्था का सैलाब



चमकता राजस्थान लक्ष्मणगढ़(नरेन्द्र तिलकपुर) लक्ष्मणगढ़ क्षेत्र के परमहंस सतगुरु श्री हरचन्द दास महाराज तिलकपुर धाम आश्रम में दो दिवसीय पूर्णिमा महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। श्रद्धालुओं ने तिलकपुर धाम के पीठाश्वर महन्त श्री बालक दास महाराज जी से आशीर्वाद ग्रहण किया। जिसमें राजस्थान सहित उत्तप्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, उत्तराखंड सहित आसपास क्षेत्र के श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। परमहंस सदगुरु श्री हरचंद दास सत्संग ट्रस्ट के सदस्य व मीडिया प्रभारी भाई नरेन्द्र तिलकपुर ने बताया कि हर पूर्णिमा की भांति इस पूर्णिमा पर भी आश्रम पर मंगलवार रात्रि को विशाल सत्संग का आयोजन किया गया। जिसमें कई पार्टियों के द्वारा सत्संग में हिस्सा लिया। परमहंस सदगुरु हरचन्द दास ट्रस्ट द्वारा सुबह हवन का आयोजन किया गया। जिसमें पति पत्नी सहित एक दर्जन से अधिक श्रद्धालुओं ने हवन यज्ञ में आहुतियां दी गई। इसके बाद गुरु पूर्णिया की रस्म निभाते हुए तिलकपुर धाम के बालकदास जी महाराज का श्रद्धालुओं ने शॉल उड़कर साफा बंधन कर आशीर्वाद ग्रहण किया गया।

आयोजन के बाद 11 बजे से देर शाम तक भंडारे का आयोजन किया गया। इस बार भंडारा का आयोजन डॉ. रमेश चन्द जी हाल ही निवासी नांगलरूपा प्रसादी ग्रहण की। इस अवसर पर दूर दराज से कठूमर की तरफ से किया गया। जिसमें काफी संख्या में महिला पुरुषों ने दूर दराज से आए हजारों श्रद्धालुओं ने मत्था टेककर सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर तिलकपुर धाम के पीठाधीश्वर महंत श्री बालक दास जी महाराज ने नवनिर्वाचित सरपंच सुरेश मीणा ग्राम पंचायत टोडा का स्वागत किया। डॉ.रमेश चंद, सुखचन्द फौजी, डॉ. मातादीन बिसारिया, राजेश चौधरी तिलकपुर,गोपी भाई, सेवादार अमर सिंह, मोहन लाल, विश्राम दत्त, सतेन्द्र यादव, रामवीर, सुरेश प्रधान आगरा रमेश लालपुरिया, मछला गुर्जर भावली, राजेंद्र फौजी तिलकपुर, बृजलाल सैनी, मा. प्यारे लाल नंदराम वकील, मनोहर लाल बाबू जी, बिजन मीणा, महंत फलाहारी दास, मनोरी, ललित नाथ, धनसिहं बैरवा, खुशीराम फौजी, राजेश जोना खेड़ा, निक्की प्रजापत जोनाखेड़ा आदि

अरुंधति भट्टाचार्य का अनुभव सूर्यदत्त के विद्यार्थियों के लिए मार्गदर्शक साबित होगा : डॉ. संजय बी. चोरडिया

सेल्सफोर्स की अध्यक्ष एवं सीईओ अरुंधति भट्टाचार्य से सूर्यदत्त के संस्थापक अध्यक्ष प्रो. डॉ. संजय बी. चोरडिया की विशेष मुलाकात

आईएमसी चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के 120वें स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर मुंबई में हुई मुलाकात में सूर्यदत्त की ओर से अरुंधति भट्टाचार्य को किया सम्मानित

चमकता राजस्थान

पुणे/मुंबई। पुणे स्थित निजी क्षेत्र में विश्व स्तरीय सूर्यदत्त एजुकेशन फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष प्रो. डॉ. संजय बी. चोरडिया एवं उपाध्यक्ष श्रीमती सुषमा चोरडिया ने सेल्सफोर्स की अध्यक्ष एवं सीईओ अरुंधति भट्टाचार्य से सौजन्य भेंट कर विभिन्न विषयों पर चर्चा की। इंडियन मर्चेंट्स चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (आईएमसी चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री) के 120वें स्थापना दिवस के अवसर पर मुंबई में हाल ही में आयोजित विशेष समारोह में यह मुलाकात हुई। इस समारोह में उद्योग, व्यवसाय और शिक्षा जगत की कई जानी-मानी हस्तियां उपस्थित थीं। इस अवसर पर प्रो. डॉ. संजय बी. चोरडिया ने आईएमसी के अध्यक्ष प्रो. महेंद्र कुमार चौहान और महानिदेशक अजीत मंगरुलकर से भी संवाद किया। भारतीय व्यापार, वाणिज्य और उद्योग जगत के विकास में आईएमसी चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री का लंबे समय से महत्वपूर्ण योगदान रहा है। समारोह में भारतीय उद्योग जगत के भविष्य की संभावनाओं, नवाचार, प्रौद्योगिकी और भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार व्यावसायिक व्यवस्थाओं जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया गया।



समारोह में मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित अरुंधति भट्टाचार्य ने 'विकसित भारत के निर्माण में उद्योगों की भूमिका' विषय पर अपने विचार रखे। भारत की कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के क्षेत्र में क्षमताओं पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि तकनीकी क्रांति के इस दौर में भारत के पास केवल इसका हिस्सा बनने की ही नहीं, बल्कि इसका नेतृत्व करने और इसे नई दिशा देने की भी क्षमता है। इस अवसर पर प्रो. डॉ. संजय बी. चोरडिया और श्रीमती सुषमा चोरडिया को अरुंधति भट्टाचार्य के साथ विशेष संवाद करने का अवसर मिला। इससे पहले वर्ष 2016 में, जब भट्टाचार्य भारतीय स्टेट बैंक की अध्यक्ष थीं, तब ईशा फाउंडेशन द्वारा आयोजित 'ईशा इनसाइट्स' कार्यक्रम में भी प्रो. डॉ. संजय बी. चोरडिया की उनसे मुलाकात हुई थी। इस मुलाकात के दौरान प्रो. डॉ. संजय बी. चोरडिया ने अरुंधति भट्टाचार्य को सूर्यदत्त परिसर आने तथा विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों के साथ संवाद करने का निमंत्रण दिया। उन्होंने इस निमंत्रण पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए सूर्यदत्त परिसर आने और विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों से बातचीत करने की सहमति जताई। प्रो. डॉ. चोरडिया ने कहा कि अरुंधति भट्टाचार्य के संभावित दौरे से विद्यार्थियों को नेतृत्व, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, प्रौद्योगिकी, नवाचार और भविष्य में रोजगार के बदलते स्वरूप जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर उनके अनुभवों और मार्गदर्शन का लाभ मिलेगा। इस मुलाकात के माध्यम से भविष्य के लिए तैयार और विकसित भारत के निर्माण में शैक्षणिक संस्थानों, उद्योग जगत तथा प्रौद्योगिकी क्षेत्र के बीच आपसी सहयोग और समन्वय की आवश्यकता भी रेखांकित हुई।

घर-घर गंगाजल अभियान के तहत शिवसेना (शिंदे गुट) के राजस्थान राज्य प्रमुख नरेंद्र सिंह राजावत को भेंट किया गंगाजल

अखिल भारत हिन्दू क्रान्ति सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष आनन्द सोनी ने किशनगढ़ पहुंचकर किया गंगाजल भेंट, सनातन संस्कृति के प्रचार-प्रसार का लिया संकल्प

चमकता राजस्थान

किशनगढ़। सनातन संस्कृति, धार्मिक परंपराओं एवं आध्यात्मिक चेतना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से अखिल भारत हिन्दू क्रान्ति सेना द्वारा संचालित घर-घर गंगाजल अभियान निरंतर आगे बढ़ रहा है। इसी अभियान के तहत आज अखिल भारत हिन्दू क्रान्ति सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष आनन्द सोनी किशनगढ़ पहुंचे, जहां उन्होंने शिवसेना (शिंदे गुट) के राजस्थान राज्य प्रमुख श्री नरेंद्र सिंह राजावत से शिष्टाचार भेंट कर उन्हें पवित्र मां गंगा का गंगाजल भेंट किया।

इस अवसर पर आनन्द सोनी ने कहा कि घर-घर गंगाजल अभियान केवल गंगाजल वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सनातन संस्कृति, धार्मिक आस्था और भारतीय परंपराओं को प्रत्येक सनातनी परिवार तक पहुंचाने का



एक आध्यात्मिक संकल्प है। मां गंगा भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा की आस्था का प्रमुख केंद्र हैं। गंगाजल का प्रत्येक घर तक पहुंचना हमारी धार्मिक विरासत और सांस्कृतिक मूल्यों से जुड़ने का एक माध्यम है।

उन्होंने बताया कि अभियान के प्रथम चरण में देशभर के मठ-मंदिरों, संत-महात्माओं एवं विभिन्न सामाजिक और धार्मिक संगठनों से जुड़े प्रमुख व्यक्तित्वों तक गंगाजल पहुंचाया जा रहा है। इसके पश्चात व्यापक स्तर पर घर-घर गंगाजल पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है, ताकि प्रत्येक सनातनी परिवार मां गंगा के पवित्र जल से जुड़ सके।

शिवसेना (शिंदे गुट) के राजस्थान राज्य प्रमुख श्री नरेंद्र सिंह राजावत ने इस पहल की सराहना करते हुए अभियान के धार्मिक एवं सांस्कृतिक उद्देश्य को महत्वपूर्ण बताया।

अखिल भारत हिन्दू क्रान्ति सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष आनन्द सोनी ने कहा कि संगठन का प्रयास है कि समाज में सनातन संस्कारों, धार्मिक जागरूकता और सांस्कृतिक एकता की भावना मजबूत हो। उन्होंने अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का आ''ान करते हुए कहा कि यह पहल आस्था, संस्कृति और सामाजिक समरसता को जोड़ने का एक सार्थक प्रयास है।

वन्यजीवों के संरक्षण के लिए वनतारा ने मेडागास्कर से किया 10 साल का समझौता

- तस्करी के शिकार वन्यजीवों की उनके मूल देश में वापसी में मदद करेगा वनतारा
- मेडागास्कर के स्थानीय वन्यजीव विशेषज्ञों को देगा प्रशिक्षण



चमकता राजस्थान जामनगर, वन्यजीवों के संरक्षण के लिए वनतारा ने मेडागास्कर सरकार के साथ 10 साल का समझौता किया है। इसके तहत विदेशों में जब्त मेडागास्कर के वन्यजीवों की स्वदेश वापसी, इलाज और जहां संभव हो, उन्हें प्राकृतिक आवास में छोड़ने में वनतारा मदद करेगा। इसके साथ ही वनतारा ने भारत के उच्चएर प्रबंधन प्राधिकरण से 19 अगस्त को किया अपना वादा पूरा किया है। अंतरराष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (IUCN) के मुताबिक, केवल मेडागास्कर में पाई जाने वाली लीमर की 90 फीसदी प्रजातियों पर विलुप्त होने का खतरा है। प्राकृतिक आवास का नुकसान और अवैध तस्करी यहां के वन्यजीवों के लिए बड़ी चुनौती हैं। वनतारा वन्यजीवों की स्वास्थ्य जांच, सुरक्षित परिवहन, वैज्ञानिक अनुसंधान और मेडागास्कर के स्थानीय वन्यजीव विशेषज्ञों के प्रशिक्षण में सहयोग करेगा। राष्ट्रीय वन्यजीव बचाव एवं पुनर्वास केंद्र के निर्माण में भी मदद कर सकता है। वन्यजीवों को प्राकृतिक आवास में छोड़ने का अंतिम फैसला मेडागास्कर सरकार का होगा। वनतारा के सीईओ विवान करानी ने कहा, ''इन प्रजातियों को उनके प्राकृतिक आवास में संरक्षण देना हमारी दस वर्षीय संरक्षण रणनीति के केंद्र में है। हमारी प्राथमिकता वन्यजीवों के मूल देश में उनके संरक्षण के लिए काम कर रहे लोगों और संस्थाओं को मजबूत करना है।''

पीएम मोदी के भाई ने किए बाबा श्रीमहाकालेश्वर मंदिर दर्शन

चमकता राजस्थान

उज्जैन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के भाई पंकज मोदी ने मंगलवार को यहां उज्जैन पहुंचकर ज्योतिर्लिंग भगवान श्रीमहाकालेश्वरजी के दर्शन लाभ लिए। श्रीमहाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से सहायक



प्रशासक मूलचंद जूनवाल द्वारा पंकज मोदी जी का स्वागत एवं सत्कार किया गया।

राजस्थान की टीना, मनीषा जाट एवं कशिश शर्मा सीनियर एशियन चैंपियनशिप के लिये भारतीय हैंडबॉल टीम में

- अल्माटी (कजाकिस्तान) में हो रही है प्रतियोगिता
- 23 नवंबर से 03 दिसम्बर तक खेले जायेंगे मुकाबले



चमकता राजस्थान जयपुर। अल्माटी (कजाकिस्तान) में 23 नवंबर से 03 दिसम्बर तक खेली जा रही 21वी एशियाई सीनियर महिला हैंडबॉल चैंपियनशिप में भाग लेने के लिये भारतीय महिला हैंडबॉल टीम रविवार को अल्माटी पहुँच गई। भारतीय हैंडबॉल टीम में राजस्थान की टीना, मनीषा जाट एवं कशिश शर्मा का चयन हुआ हैं। राजस्थान राज्य हैंडबॉल संघ के मानद सचिव श्री यश प्रताप सिंह ने बताया कि पीवट की पोजीशन पर खेलने वाली सुश्री टीना श्रीगंगानगर से, राइट बैक पोजीशन पर खेलने वाली मनीषा भीलवाड़ा से है। यह दोनों आरएसएससी महिला हैंडबॉल अकादमी की पूर्व खिलाड़ी है तथा वर्तमान में दोनों ही बीएसएफ में कार्यरत है। लेफ्ट विंग पर खेलने वाली कशिश शर्मा सीकर की है तथा वर्तमान में राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद द्वारा जयपुर में संचालित महिला हैंडबॉल अकादमी की खिलाड़ी है । उन्होंने बताया कि भारतीय टीम का 10 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर 11 से 20 नवंबर तक हिमाचल प्रदेश स्थित मोरसिंगी हैंडबॉल नर्सरी में लगाया गया था। उनके चयन पर राज्य हैंडबॉल संघ के अध्यक्ष ललित कुमार कलाल, मानद सचिव यश प्रताप सिंह सहित समस्त कार्यकारिणी ने बधाई एवं शुभकामनाए देते हुए कामना की कि राजस्थान की ये महिला खिलाड़ी एशियाई चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन कर देश और प्रदेश का नाम गौरवान्वित करेंगे।

सांसद श्रीकांत शिंदे जी, मुंब्रा-कौसा को नई सरकारी स्कूल तो दिवा के बच्चों को कब मिलेगी 10वीं तक की स्कूल सुविधा? 11 नगरसेवक सत्ता पक्ष में, फिर भी शिक्षा के लिए तरस रहा दिवा!

मुंब्रा-कौसा में 1.30 करोड़ की लागत से नई मनपा स्कूल बनाने का निर्णय, लेकिन दिवा में हिंदी, मराठी और अंग्रेजी माध्यम की सरकारी स्कूल का अभाव; पुलिस स्टेशन, सरकारी अस्पताल और खेल मैदान की मांग भी अधूरी, क्या सिर्फ कागजों पर ही स्मार्ट सिटी बनेगा दिवा?

चमकता राजस्थान

प्रतिनिधि : अरविंद कोठारी दिवा : मुंब्रा-कौसा परिसर के विद्यार्थियों की शैक्षणिक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए ठाणे महानगरपालिका ने घासवाला कम्पाउंड क्षेत्र में नई स्कूल इमारत बनाने का निर्णय लिया है। इस परियोजना पर लगभग 1 करोड़ 30 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। दर्गा रोड से शिमला पार्क परिसर के करीब एक हजार से बारह सौ विद्यार्थियों को इसका लाभ मिलेगा।

मनपा के इस फैसले का स्वागत हो रहा है, लेकिन इसी के साथ दिवा शहर के बच्चों की शिक्षा का गंभीर सवाल भी खड़ा हो गया है। आखिर मुंब्रा-कौसा में नई सरकारी स्कूल बनाने की पहल हो सकती है, तो दिवा के विद्यार्थियों को यह सुविधा कब मिलेगी?

दिवा शहर में सत्ता पक्ष के 11 नगरसेवक होने के बावजूद कक्षा 10वीं तक की पर्याप्त सरकारी स्कूल सुविधा उपलब्ध नहीं होने का मुद्दा नागरिकों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। दिवा में हिंदी, मराठी और अंग्रेजी माध्यम की सरकारी स्कूलों की मांग लंबे समय से की जा रही है, लेकिन आज तक इस दिशा में कोई ठोस पहल दिखाई नहीं दे रही है।

● शिक्षा के लिए बच्चों को डोंबिवली तक जाना पड़ रहा है!





दिवा के अभिभावकों का कहना है कि सरकारी स्कूलों की कमी के कारण उन्हें अपने बच्चों को निजी स्कूलों में पढ़ाने के लिए मजबूर होना पड़ता है। वहीं, कुछ परिवारों को बच्चों की शिक्षा के लिए डोंबिवली तक ट्रेन से सफर करना पड़ता है। सवाल यह है कि तेजी से बढ़ती आबादी वाले दिवा शहर में रहने वाले बच्चों को अपने ही शहर में अच्छी और सुलभ सरकारी शिक्षा की सुविधा क्यों नहीं मिल रही है? क्या शिक्षा जैसी बुनियादी जरूरत के लिए भी दिवावासियों को दूसरे शहरों पर निर्भर रहना पड़ेगा?

● 11 नगरसेवक सत्ता पक्ष में, फिर भी बुनियादी सुविधाओं का इंतजार!

दिवा में चुनाव के समय स्मार्ट सिटी बनाने के बड़े-बड़े वादे किए जाते हैं। लेकिन नागरिकों का कहना है कि आज भी शहर में कई बुनियादी सुविधाएं अधूरी हैं। सरकारी स्कूल नहीं, पुलिस स्टेशन की मांग अधूरी, सरकारी अस्पताल का अभाव और बच्चों के खेलने के लिए पर्याप्त सरकारी मैदान उपलब्ध नहीं हैं। ऐसे में स्मार्ट सिटी के दावों पर सवाल उठना स्वाभाविक है। नागरिकों का सवाल है कि जब दिवा में सत्ता पक्ष के 11 नगरसेवक हैं और कल्याण लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे भी इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं, तो फिर दिवा की शिक्षा और बुनियादी सुविधाओं के लिए ठोस निर्णय कब लिए जाएंगे?

न्यूज अपडेट

झारखंड स्थापना दिवस पर पारंपरिक ग्राम व्यवस्था में भूमिका निभाने वालों को किया गया सम्मानित

गोड्डा। झारखंड राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर पारंपरिक ग्राम व्यवस्था के संरक्षण एवं संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले पारंपरिक पदाधिकारियों के सम्मान में मंगलवार को जिला स्तरीय सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। डीआरडीए स्थित सभागार में आयोजित कार्यक्रम में परगनैत, ग्राम प्रधान, जोगमांझी एवं डाकुआ को सम्मानित किया गया। उपायुक्त लोकेश मिश्रा के निर्देश पर आयोजित इस कार्यक्रम में अनुमंडल पदाधिकारी, गोड्डा वैद्यनाथ उरांव ने पारंपरिक पदाधिकारियों को पुष्पगुच्छ एवं सम्मान स्वरूप उपहार भेंट कर उनके योगदान के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि झारखंड की पहचान उसकी समृद्ध जनजातीय संस्कृति, पारंपरिक ग्राम व्यवस्था और सामाजिक मूल्यों से है। इन परंपराओं को पीढ़ी दर पीढ़ी संरक्षित रखने में परगनैत, ग्राम प्रधान, जोगमांझी एवं डाकुआ की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। ये पदाधिकारी ग्रामीण समाज में सामाजिक समरसता, सामुदायिक एकजुटता और पारंपरिक रीति-रिवाजों को बनाए रखने में अहम योगदान देते हैं। समारोह में पारंपरिक ग्राम व्यवस्था की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्ता पर प्रकाश डालते हुए नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं से जोड़ने पर जोर दिया गया। साथ ही पारंपरिक पदाधिकारियों के अनुभव, सामाजिक जिम्मेदारियों और ग्रामीण समाज के प्रति उनके समर्पण की सराहना की गई। कार्यक्रम के माध्यम से पारंपरिक ग्राम व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने तथा स्थानीय सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण का संकल्प भी व्यक्त किया गया। जिला प्रशासन ने कहा कि सामाजिक समरसता, समावेशी विकास और सांस्कृतिक धरोहरों को सहेजने के लिए पारंपरिक पदाधिकारियों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों की सहभागिता के साथ निरंतर प्रयास किए जाते रहेंगे।



रायना पब्लिक स्कूल में स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

गोड्डा। जिला मुख्यालय केरायना पब्लिक स्कूल परिसर में मंगलवार को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया। बड़ी संख्या में विद्यार्थियों के साथ-साथ अभिभावकों ने भी जांच कराई और परामर्श लिया। शिविर में डॉ आकाश कुमार (एमबीबीएस) और डॉ. स्मृति कुमारी (एमडीएस) ने अपनी सेवाएं दीं। डॉ. आकाश कुमार और डॉ स्मृति कुमारी ने छात्रों व अभिभावकों की सामान्य स्वास्थ्य जांच के साथ-साथ दांत, आंख और पोषण से जुड़ी स्थिति को देखा। चिकित्सकों ने बच्चों और अभिभावकों को संतुलित आहार लेने, जंक फूड से बचने, नियमित व्यायाम करने और साफ-सफाई बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। डॉक्टरों ने कहा कि बच्चों व परिवार की सेहत को लेकर समय पर जांच और जागरूकता आगे की स्वास्थ्य समस्याओं से बचाती है। कार्यक्रम के अंत में रायना पब्लिक स्कूल की प्रिंसिपल रूबी आज़ाद ने सभी को धन्यवाद देते हुए अपने-अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का आग्रह किया।



एन.आई. लोक अदालत में 8 मामले का निपटारा

गोड्डा। जिला विधिक सेवा प्राधिकार की ओर से न्यायालय परिसर में एन.आई. एक्ट के वादों का त्वरित निष्पादन को लेकर विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया। इसमें 08 मामले का निपटारा कर 41,85,313 रुपये की राशि का समझौता किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव दीपक कुमार ने बताया कि झारखंड विधिक सेवा प्राधिकार के निर्देश पर चेक बाउंस से संबंधित वादों के निपटारा को लेकर विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया था। इसमें 43 मामले की सुनवाई हुई जहां आठ मामले का निपटारा कराया गया।



पत्तिचक-पिरोजपुर सिद्धू-कान्हू चौक पर जाम से लोग परेशान, स्थायी वाहन पड़ाव की मांग

- एनएच-133 पर चारों दिशाओं से वाहनों का दबाव, ऑटो-टोटो के बेतरतीब पड़ाव से बढ़ रही समस्या



मेहरमा। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत बिहार-झारखंड सीमा स्थित पिरोजपुर सिद्धू-कान्हू चौक पर लगातार लगने वाले सड़क जाम से आमजन परेशान है। राष्ट्रीय राजमार्ग-133 पर स्थित इस चौक से चारों दिशाओं में वाहनों का आवागमन होता है। सड़क किनारे बाजार, छोटे वाहनों के बेतरतीब पड़ाव और भारी वाहनों की आवाजाही के कारण दिनभर जाम की स्थिति बनी रहती है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से चौक के आसपास स्थायी वाहन पड़ाव की व्यवस्था कराने की मांग की है। पिरोजपुर-बाराहाट बाजार चौक के समीप ही स्थित है। दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ और सड़क किनारे वाहनों के खड़े रहने से आवागमन बाधित होता है। सिद्धू-कान्हू चौक से पिरोजपुर-कहलगांव-भागलपुर मुख्य मार्ग, भगैया-साहिबगंज मार्ग, पीरपैंती रेलवे स्टेशन जाने वाली सड़क तथा गोड्डा-पीरपैंती मुख्य मार्ग जुड़ते हैं। ऐसे में चौक पर वाहनों का दबाव लगातार बना रहता है। इसके अलावा पीरपैंती रेलवे स्टेशन जाने वाले मार्ग पर अडानी परियोजना का कार्य चलने के कारण भारी वाहनों का परिचालन भी बढ़ा है। ऑटो, टोटो, बाइक और पिकअप वाहन चालक चौक पर ही बेतरतीब ढंग से वाहन खड़े कर यात्रियों को बैठाते और उतारते हैं, जिससे सड़क संकरी हो जाती है और जाम की समस्या गंभीर रूप ले लेती है। जाम के कारण स्कूली बच्चों, मरीजों, राहगीरों और वाहन चालकों को घंटों परेशान होना पड़ता है। कई बार एंबुलेंस भी जाम में फंस जाती है। जाम हटाने के लिए मेहरमा पुलिस के साथ बिहार के इशीपुर-बाराहाट थाना पुलिस को भी मशक्कत करनी पड़ती है। दोनों राज्यों की पुलिस के समन्वय से यातायात सामान्य कराया जाता है। ग्रामीणों का कहना है कि जब तक चौक पर छोटे वाहनों के लिए स्थायी पड़ाव की व्यवस्था नहीं की जाती, तब तक जाम की समस्या से निजात मिलना मुश्किल है। उन्होंने प्रशासन से चौक के समीप या अन्य उपयुक्त स्थान पर स्थायी बस एवं ऑटो पड़ाव बनाने तथा यातायात व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की है, ताकि एनएच-133 पर आवागमन सुगम हो सके।

गोड्डा से भागलपुर जा रही यात्री बस जलकर हो गई खाक, सभी यात्री सुरक्षित

पंजवारा पुल पर श्रीहरि यात्री बस में लगी भीषण आग

दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद पाया काबू

गोड्डा।

गोड्डा-भागलपुर मुख्य मार्ग पर बांका जिले के पंजवारा स्थित चीर नदी पुल पर मंगलवार की अहले सुबह गोड्डा से भागलपुर जा रही श्रीहरि यात्री बस में अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते पूरी बस आग की चपेट में आकर धू-धू कर जलने लगी। आग की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि कुछ ही देर में बस जलकर खाक हो गई। गनीमत यही रही कि यात्री सुरक्षित रहे। यात्रियों ने बस से कूद कर किसी तरह जान बचाई। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, राहत की बात यह रही कि समय रहते बस में सवार सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, श्रीहरि नामक यात्री बस (निबंधन संख्या- जेएच 04 क्यू 7111) मंगलवार को सुबह करीब 4 बजे गोड्डा से यात्रियों को लेकर भागलपुर के लिए रवाना हुई थी। इसी दौरान पंजवारा के चीर नदी पुल के समीप अचानक बस में आग लग गई। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। बस से आग की लपटें उठती देख चालक और यात्रियों के बीच हड़कंप मच गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तत्काल सभी यात्रियों को बस से नीचे उतारा गया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और दमकल विभाग को इसकी जानकारी दी। सूचना पर दमकल की गाड़ी घटनास्थल पर पहुंचीं। अग्निशमन कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। लेकिन तब तक आग ने पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया था और बस पूरी तरह जलकर नष्ट हो गई। घटना के बाद मुख्य मार्ग पर कुछ देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। हालांकि, सभी यात्रियों के सुरक्षित बच जाने से लोगों ने राहत की सांस ली। फिलहाल आग लगने के वास्तविक कारणों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।



रामायण की दार्शनिक एवं आध्यात्मिक व्याख्या पर आधारित नृत्य प्रस्तुति 'रामायणम' ने दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध

पटना।

पद्मश्री गुरु विश्वबंधु जी की 96वीं जयंती के अवसर पर सुरांगन द्वारा प्रेमचंद रंगशाला में आयोजित तीन दिवसीय विश्वबंधु थिएट्रिकल डांस फेस्टिवल के दूसरे दिन कोलकाता की कुंडरेली पायल चक्रवर्ती डांस एकेडमी द्वारा नृत्य नाटिका 'रामायणम' की प्रभावशाली प्रस्तुति की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रख्यात चिकित्सक डॉ. जितेंद्र सिंह उपस्थित रहे। इस अवसर पर वरिष्ठ कथक नृत्यांगना नीलम चौधरी तथा किलकारी बिहार बाल भवन की निदेशक ज्योति परिहार विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहीं। 'रामायणम' की प्रस्तुति में रामायण को केवल एक धार्मिक आख्यान के रूप में नहीं, बल्कि जीवन के गहरे दार्शनिक एवं मानवीय मूल्यों की अभिव्यक्ति के रूप में प्रस्तुत किया गया।

प्रस्तुति की दार्शनिक अवधारणा के अनुसार श्रीराम मर्यादा, धर्म और चेतना के प्रतीक हैं, जबकि सीता धरती की धैर्यशक्ति, त्याग, पवित्रता और आत्मसम्मान की अभिव्यक्ति हैं। हनुमान निःस्वार्थ भक्ति, लक्ष्मण कर्तव्यनिष्ठा और रावण अहंकार के परिणाम का प्रतिनिधित्व करते हैं। नृत्य नाटिका के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि रामायण का मूल दर्शन केवल अधर्म पर धर्म की विजय नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर चलने वाले सत्य और असत्य, विवेक और अहंकार तथा मर्यादा और मोह के संघर्ष की कथा भी है।

प्रस्तुति में राम को धर्म की मर्यादा और सीता को प्रकृति की सहनशील शक्ति के रूप में अभिव्यक्त किया गया। कलाकारों ने अपने अभिनय, नृत्य एवं भावाभिव्यक्ति के माध्यम से यह दर्शाने का प्रयास किया कि सच्ची महानता सत्ता में नहीं, बल्कि सत्य के प्रति निष्ठा, आत्मसम्मान और धर्म के मार्ग पर अडिग रहने में निहित है। नृत्य नाटिका का शाश्वत संदेश रहा कि धर्म केवल आचरण नहीं, बल्कि जीवन की चेतना है और वास्तविक विजय अपने भीतर के अहंकार पर विजय प्राप्त करना है। राम की भूमिका रुद्र प्रसाद राय, सीता की भूमिका देवतुन्या बेरा, लक्ष्मण की भूमिका चिन्मय पॉल तथा रावण की भूमिका राहुल डे ने निभाई। शूर्पणखा के रूप में स्मिता मजूमदार, जनक के रूप में सौमना बसु, कौशल्या के रूप में प्रीति दास, कैकेयी के रूप में देबप्रिया कर्मकार तथा दशरथ के रूप में दिया चक्रवर्ती ने अभिनय किया।

कार्यक्रम का मंच संचालन किशोर केशव ने किया।



हनवारा में आज से लगेगा दो दिवसीय कार्तिक मेला

सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन सतर्क

हनवारा।

देवताओं के सेनापति कुमार कार्तिकेय की इस जिला में शायद इकलौता मंदिर हनवारा में है। कार्तिक पूर्णिमा के पवन मौके पर भगवान कार्तिकेय की पूजा अर्चना करने के लिए लोगों की अच्छी खासी भीड़ जुटती है। इस अवसर पर दो दिवसीय मेला एवं खेलकूद प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जाता है। बुधवार से दो दिवसीय मेला एवं खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ होगा। हनवारा में आयोजित होने वाले प्रसिद्ध कार्तिक मेला को लेकर पुलिस प्रशासन सतर्क हो गया है। मेले में उमड़ने वाली भीड़ और सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए मंगलवार को महागामा के पुलिस इंस्पेक्टर मधुसूदन मोदक एवं हनवारा थाना प्रभारी विकास कुमार ने मेला परिसर का निरीक्षण किया। इस दौरान मेला कमेटी के सदस्यों से तैयारियों की जानकारी लेते हुए सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण और यातायात व्यवस्था को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। हनवारा में 25 एवं 26 नवंबर को दो दिवसीय कार्तिक मेला आयोजित होगा। मेले में बच्चों और युवाओं के मनोरंजन के लिए तारामाछी, ब्रेक डांस, जलपरी शो समेत विभिन्न प्रकार के झूले और खेल-तमाशे लगाए जा रहे हैं। मेला को लेकर स्थानीय लोगों में उत्साह है और आयोजन समिति तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटी है। प्रमुख आकर्षण दोनों दिन आयोजित होने वाला भव्य दंगल एवं कुश्ती मुकाबला होगा। इसमें बिहार, बंगाल, झारखंड और उत्तर प्रदेश के नामी पहलवानों के शामिल होने की संभावना है। विभिन्न राज्यों के पहलवानों के बीच जोरदार मुकाबले को देखने के लिए आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में दर्शकों के पहुंचने की उम्मीद है। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधिकारियों ने मेला कमेटी को भीड़ नियंत्रित करने, सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त रखने, यातायात सुचारू करने और साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि मेला में आने वाले लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। पुलिस प्रशासन शांतिपूर्ण माहौल में मेला संपन्न कराने को लेकर मुस्तैद रहेगा।



कार्तिक पूर्णिमा पर विशेष पूजन के साथ प्रजापति भवन का तीसरा फ्लोर का कार्य प्रारंभ

- टीम लीडर प्रजापति मृत्युंजय की देखरेख में हुई सत्य नारायण भगवान की पूजन सह कथा
- ई रुपेश कुमार पंडित ने भवन निर्माण के लिए एक लाख एक हजार रूपए दिए चंदा



देवघर। कार्तिक पूर्णिमा के शुभ अवसर पर देवघर स्टेशन स्थित प्रजापति भवन देवघर में विशेष पूजन के साथ तीसरा फ्लोर का कार्य प्रारंभ किया गया. इस अवसर पर टीम लीडर प्रजापति मृत्युंजय की देखरेख में भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष अधिवक्ता रमाशंकर पंडित अध्यक्ष के नेतृत्व में भगवान सत्य नारायण की पूजन सह कथा का आयोजन किया गया. इसमें मुख्य अतिथि सह बिहार कुम्हार प्रजापति समन्वय समिति के अध्यक्ष ई रुपेश कुमार पंडित पूजा में सपत्नीक यजमान बने. कथा के समापन पर श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण किया गया. इसके बाद भंडारा का आयोजन किया गया. इसमें पांच सौ से अधिक महिला -पुरुषों ने प्रसाद ग्रहण किया. सभी को भरपेट सात्विक भोजन कराया गया. इस संबंध में टीम लीडर प्रजापति मृत्युंजय ने बताया कि पूरे झारखंड-बिहार में समाज के लोगों के सहयोग से प्रजापति समाज का पहला अपना भवन है. मंगलवार को तीसरा मंजिल निर्माण के लिए ई रुपेश कुमार पंडित ने भवन निर्माण के लिए एक लाख एक हजार रूपए चंदा दिए. उन्होंने आगे भी हर संभव मदद का आश्वासन दिया. प्रजापति भवन में बाबाधाम आनेवाले सभी श्रद्धालुओं को समान रूप से सुविधाएं मिलेगी. श्रद्धालुओं को कम शुल्क में पानी, बिजली, गद्दा आदि सारी जरूरी सुविधाओं के साथ कमरा दिया जा रहा है. पूजा को सफल बनाने में प्रजापति भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष रमाशंकर पंडित, गौतम दक्ष, सरपंच उमेश पंडित, नीरज कुमार, अजय कुमार, सुभाष पंडित, राम प्रवेश पंडित, तेज नारायण पंडित, सुरेश पंडित, प्रमोद पंडित, बासुदेव पंडित, शंकर पंडित, दिलीप कुमार, शिव कुमार पंडित, फुलेश्वर पंडित, कामदेव पंडित, छोटेलाल पंडित, मनोज कुमार सुमन, अजीत पंडित, त्रिवेणी पंडित, रविंद्र पंडित, सुमन पंडित, आशीष कुमार पंडित, विश्व विजय पंडित, जय ललिता, किरण देवी, अपरान्त प्रजापति, रघुनाथ पंडित, अरुण कुमार, देव श्री, प्रमोद यादव, मधुसूदन पंडित, सुकदेव पंडित, रामरेख यादव, मोहन मिश्रा, दिनकर ज्योति, प्रकाश यादव, मिथलेश पंडित आदि ने सराहनीय भूमिका निभायी।

आद्रा रेल मंडल में विकास कार्य को लेकर 29 नवंबर तक 10 ट्रेनें रद्द

जमशेदपुर। दक्षिण पूर्व रेलवे के आद्रा रेल मंडल में चल रहे विकास और आधारभूत संरचना सुदृढ़ीकरण कार्यों के कारण रेल परिचालन प्रभावित रहेगा। रेलवे प्रशासन ने 24 से 29 नवंबर के बीच विभिन्न तिथियों में 10 मेमू ट्रेनों को रद्द करने की घोषणा की है। इसके अतिरिक्त चार ट्रेनों को उनके गंतव्य से पहले ही आंशिक समाप्त (शॉर्ट टर्मिनेट) और आंशिक प्रारंभ (शॉर्ट ओरिजिनेट) कर चलाया जायेगा, जबकि एक एक्सप्रेस ट्रेन परिवर्तित मार्ग से चलेगी.

मानदेय वृद्धि और बकाया भुगतान की मांग लेकर रसोइया दीदियां रांची रवाना

विधानसभा के सामने देंगी धरना

गोड्डा।

झारखंड राज्य विद्यालय रसोइया संघ के बैनर तले राजधानी रांची में 25-26 नवंबर को रसोइया दीदियां 2 दिवसीय धरना प्रदर्शन करेंगी। यह धरना प्रदर्शन विधानसभा भवन के सामने प्रस्तावित है। दरअसल, इन्हीं 2 दिनों में झारखंड विधानसभा का 2 दिवसीय विशेष सत्र बुलाया गया है, जहां सरकार खान एवं खनिज संशोधन विधेयक-2026 और विशेष गहन मतदाता पुनरीक्षण पर चर्चा करना चाहती है। मंगलवार को गोड्डा जिले से 300 से ज्यादा रसोइया दीदियां रांची के लिए रवाना हुईं, जहां संघ के प्रदेश सचिव मनोज कुमार कुशवाहा ने उन्हें विदा किया। इस दौरान संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष भुंडा बास्की भी मौजूद रहे। प्रदेश सचिव मनोज कुमार कुशवाहा और प्रदेश उपाध्यक्ष भुंडा बास्की ने बताया कि झारखंड राज्य विद्यालय रसोइया संघ (एक्टू) के समर्थन से अपनी मांगों को लेकर राज्यव्यापी आंदोलन कर रहा है। इसके तहत 24 से 27 नवंबर तक राज्य भर की रसोइया दीदियां हड़ताल पर रहेंगी। वहीं, 25 और 26 नवंबर को रांची के कुटे मैदान में झारखंड विधानसभा के समक्ष 2 दिवसीय धरना-प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। बताया कि पिछले करीब 22 वर्षों से रसोइया दीदियां सरकारी विद्यालयों में मध्याह्न भोजन योजना के तहत बच्चों के लिए भोजन तैयार करने और उन्हें खिलाने की जिम्मेदारी निभा रही हैं। इसके बावजूद उन्हें आज तक सरकारी कर्मचारी का दर्जा नहीं मिला है। उन्हें अनुबंध कर्मचारी के रूप में मान्यता नहीं दी गई है। संघ का कहना है कि लंबे समय तक सेवा देने के बावजूद उन्हें सम्मानजनक मानदेय और आवश्यक सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। रसोइया संघ ने आरोप लगाया कि दीदियों को दिहाड़ी मजदूरों के बराबर भी मजदूरी नहीं मिलती है। कई बार लिखित समझौता होने के बावजूद मांगों को लागू नहीं किया गया। इतना ही नहीं, 60 वर्ष की उम्र पूरी होने का हवाला देकर सैकड़ों रसोइया दीदियों को काम से हटाया जा रहा है।

संघ की ओर से छह प्रमुख मांगें उठाई गई हैं। इनमें रसोइया दीदियों को सरकारी कर्मचारी का दर्जा देने तथा जब तक यह दर्जा नहीं मिलता, तब तक न्यूनतम 42 हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय देने की मांग शामिल है। इसके अलावा सभी रसोइया दीदियों का डाटाबेस तैयार कर नियुक्ति नियमावली बनाने, साल में दो सेट सूती ड्रेस के लिए प्रतिवर्ष 2 हजार रुपये देने तथा पेंशन और बीमा की सुविधा लागू करने की मांग की गई है। संघ ने यह भी मांग की है कि नियुक्ति नियमावली, पेंशन और बीमा की व्यवस्था होने तक 60 वर्ष की उम्र का हवाला देकर किसी भी रसोइया को काम से नहीं हटाया जाए। साथ ही, रसोइया दीदियों को प्रताड़ित करने वाले शिक्षकों के खिलाफ न्यायसंगत कार्रवाई हो तथा प्रत्येक महीने की 5 तारीख तक मानदेय का भुगतान सुनिश्चित किया जाए।



प्रियांश आर्य ने रचा इतिहास

भारत की तरफ से टी20 में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बल्लेबाज बने

इंदौर/एजेंसी।

दिल्ली के स्टार बल्लेबाज प्रियांश आर्य ने इतिहास रच दिया है। आर्य ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (स्मैट) में मंगलवार को डेली कॉलेज ग्राउंड में तमिलनाडु के खिलाफ दिल्ली के ग्रुप-बी के छठे मैच में 68 गेंदों में 181 रन की पारी खेली। टी20 फॉर्मेट में किसी भारतीय बल्लेबाज की यह सबसे बड़ी पारी है। प्रियांश आर्य ने अपना शतक मात्र 36 गेंदों पर पूरा किया। बाएं हाथ के इस विस्फोटक सलामी बल्लेबाज ने अपनी पारी में 7 चौके और 19 छक्के लगाए। दिल्ली की कप्तानी कर रहे प्रियांश ने अपनी विस्फोटक पारी से केएल राहुल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। अब तक राहुल के नाम किसी भारतीय बल्लेबाज द्वारा खेली गई सबसे बड़ी टी20 पारी का रिकॉर्ड था। राहुल ने आईपीएल 2026 में दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से खेलते हुए 67 गेंदों पर 152 रन की पारी खेली थी। राहुल की पारी में 16 चौके और 9 छक्के शामिल थे।

प्रियांश आर्य ने 19 छक्कों के साथ किसी एक टी20 मैच में सर्वाधिक छक्के लगाने के मामले में फिन एलन की बराबरी कर ली है। न्यूजीलैंड के दाएं हाथ के इस विस्फोटक ओपनर ने 2025 में मेजर लीग क्रिकेट में सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स की तरफ से खेलते हुए वाशिंगटन फ्रीडम के खिलाफ 51 गेंदों पर 151 रन की पारी खेली थी। इस पारी में एलन ने 19 छक्के लगाए थे।

अब एक टी20 में सर्वाधिक छक्के लगाने का रिकॉर्ड संयुक्त रूप से एलन के साथ प्रियांश के नाम भी दर्ज हो गया है।

आर्य का 181 रन दुनिया के किसी भी खिलाड़ी का दूसरा सबसे बड़ा टी20 स्कोर भी है। यह अब तक के सबसे बड़े स्कोर 188* से सिर्फ सात रन कम है। दक्षिण अफ्रीका के लुआन-ड्रे प्रीटोरियस ने पिछले महीने सीएसए प्रो20 कप में टाइटन्स के लिए नाइट्स के खिलाफ नाबाद 188 रन की पारी खेली थी। प्रियांश की पारी की बदौलत दिल्ली ने तमिलनाडु के खिलाफ 5 विकेट पर 275 रन बनाए।



प्रो रेसलिंग लीग के छठे सीजन का आयोजन दिल्ली में 3 से 19 जनवरी तक होगा, नीलामी 30 नवंबर को होगी



नई दिल्ली/एजेंसी। प्रो रेसलिंग लीग (पीडब्ल्यूएल) का छठा एडिशन 3 से 19 जनवरी, 2027 तक नई दिल्ली के केडी जाधव रेसलिंग एरिना में आयोजित होगा। इसमें छह फ्रेंचाइजी खिताब के लिए मुकाबला करेंगी। आने वाले सीजन के लिए खिलाडियों की नीलामी 30 नवंबर को मुंबई के ग्रैंड हयात में होगी। यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) कैलेंडर में बदलाव के बाद शनिवार को बदली हुई तारीखों की घोषणा की गई। रीशेड्यूलिंग का मकसद यह पक्का करना है कि लीग का इंटरनेशनल रेसलिंग शेड्यूल से टकराव न हो। इससे लीग में भारतीय और विदेशी रेसलर हिस्सा ले सकेंगे। सीजन 6 में 86 टॉप रेसलर होंगे, जिनमें 34 इंटरनेशनल मेडलिस्ट शामिल हैं। लीग में ओलंपिक, वर्ल्ड चैंपियनशिप, एशियन गेम्स और कॉमनवेल्थ गेम्स के मेडलिस्टों के एक बड़े समूह के हिस्सा लेने की उम्मीद है।

इसमें हिस्सा लेने वाली छह फ्रेंचाइजी मुंबई दंगल, हरियाणा थंडर्स, दिल्ली दंगल वॉरियर्स, महाराष्ट्र केसरी, पंजाब रॉयल्स और यूपी डॉमिनेटर्स हैं।

आने वाले ऑक्शन में काफी ध्यान जाने की उम्मीद है, क्योंकि फ्रेंचाइजी इंटरनेशनल और इंडियन रेसलिंग के कुछ सबसे बड़े नामों को हासिल करके अपनी टीम को मजबूत करना चाहती हैं।

पिछले ऑक्शन में जापान के ओलंपिक चैंपियन यूई सुसाकी 60 लाख रुपये की विनिंग बिड हासिल करके पीडब्ल्यूएल के इतिहास में सबसे महंगे रेसलर बने थे। भारत के अमन सेहरावत, अंतिम पंघाल और सुजीत कलकल भी सबसे बड़ी एक्विजिशन में शामिल थे, जिनमें से हर एक के लिए 50 लाख रुपये से ज्यादा की बिड लगी थी।

पीडब्ल्यूएल के चेयरमैन दयान फारूकी ने कहा कि बदला हुआ शेड्यूल लीग को इंटरनेशनल रेसलिंग कैलेंडर के साथ अलाइन रहने में मदद करेगा और साथ ही टॉप एथलीट्स का पार्टिसिपेशन भी पक्का करेगा।

फारूकी ने कहा, यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग कैलेंडर में बदलाव के बाद, हमने सीजन 6 को 3 से 19 जनवरी, 2027 तक रीशेड्यूल किया है। 30 नवंबर को होने वाली प्लेयर ऑक्शन में दुनिया भर के कुछ बेहतरीन रेसलिंग टैलेंट एक साथ आएंगे, जिसमें बड़े इंटरनेशनल कॉम्पिटिटर और भारत के टॉप स्टार शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि लीग का मकसद रेसलर्स को एक हाई-क्वालिटी कॉम्पिटिटिव प्लेटफॉर्म देना है, साथ ही दर्शकों को एक दिलचस्प अनुभव देना है।

पीडब्ल्यूएल के सीईओ अखिल गुप्ता ने कहा कि 34 इंटरनेशनल मेडलिस्ट समेत 86 रेसलर्स के हिस्सा लेने से कॉम्पिटिशन में क्वालिटी आएगी।

शुभमन गिल के फैसले पर माइकल वॉन ने ली चुटकी, कहा- एक घंटे में 5 विकेट पहले कभी नहीं गिरे

नई दिल्ली/एजेंसी। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में ड्रॉ पर भारत के फैसले पर सवाल उठाया है। वॉन ने कप्तान शुभमन गिल पर निशाना साधते हुए सवाल उठाया है कि उन्होंने समय रहते मैच ड्रॉ करने का फैसला क्यों लिया। भारत और न्यूजीलैंड के बीच वेलिंगटन में खेला गया पहला टेस्ट सोमवार को ड्रॉ पर समाप्त हुआ। भारतीय टीम ने 15 ओवर शेष रहते मैच ड्रॉ करने का फैसला कर लिया था, जबकि न्यूजीलैंड के 5 विकेट शेष थे। मैच के बाद प्रेजेंटेशन के दौरान भारतीय कप्तान गिल ने कहा कि उनकी टीम मैनेजमेंट ने दूसरे टेस्ट से पहले पेस अटैक को शारीरिक रूप से फ्रेश रखने को प्राथमिकता दी थी। गिल ने बचे हुए ओवर कराने की स्थिति में भी मैच जीतने पर शंका जताई थी।



गिल ने बताया कि तीनों तेज गेंदबाजों ने मैच के दौरान पहले ही काफी मेहनत की थी, हर एक ने करीब 50 ओवर फेंके थे। टीम को अगले दिन ट्रैवल भी करना था, इसलिए उन्हें लगा कि बॉलिंग यूनिट पर और दबाव न डालना समझदारी वाला विकल्प है।

रेपो रेट में 0.50 प्रतिशत की बड़ी बढ़ोतरी से ग्रोथ को खतरा, 0.25 प्रतिशत का इजाफा पर्याप्त : एसबीआई रिसर्च



नई दिल्ली/एजेंसी। एसबीआई रिसर्च ने मंगलवार को कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा दिसंबर की मौद्रिक नीति में महंगाई को काबू करने के लिए ब्याज दरों में 0.25 प्रतिशत की बढ़ोतरी करना पर्याप्त होगा। साथ ही, रेपो रेट में 0.50 प्रतिशत की बढ़ोतरी से पूंजी की निकासी, रुपए में अस्थिरता और निश्चित रूप से आर्थिक विकास को लेकर चिंताएं पैदा हो सकती हैं।

रिपोर्ट में बताया गया कि नवंबर का महीना अमेरिकी बाजारों और उनसे जुड़े अन्य बाजारों के लिए काफी कठिन रहा है, जो कई मोर्चों पर दबाव का सामना कर रहे हैं। अमेरिकी हाउसिंग मार्केट, जो परिवारों की आर्थिक कमजोरी का सबसे अहम संकेतक है, उसमें कई कारणों से उभरते हुए दबाव के संकेत दिखाई दे रहे हैं।

एसबीआई की रिपोर्ट में कहा गया कि इसमें पहला कारण बंधक ऋण 13.3 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया है, जबकि उपभोक्ता ऋण पर ब्याज दरें 11.9 प्रतिशत के ऊंचे स्तर पर बनी हुई हैं, जिससे परिवारों पर कर्ज चुकाने का बोझ बढ़ गया है।

वहीं दूसरा, कर्ज लेने की ऊंची लागत के कारण घरों का किफायती होना और उनकी मांग प्रभावित हो रही है। तीसरी बात, घर के मालिकों की इक्विटी जीडीपी के लगभग 110 प्रतिशत के ऊंचे स्तर पर बनी हुई है, जो यह दर्शाता है कि मौजूदा घर मालिकों के पास काफी संपत्ति जमा हो गई है।

हालांकि, इससे घरों की खरीद-बिक्री या आवाजाही में कोई खास बढ़ोतरी नहीं हुई है। इसका एक कारण मॉर्गेज दरों का लॉक-इन होना या गोल्डन हैंडकफ्स (यानी कम ब्याज दर पर बंधे रहने के कारण दूसरी जगह न जा पाना) जैसा प्रभाव है।

रिपोर्ट में कहा गया, भविष्य को लेकर अनिश्चितता के कारण नवंबर के पहले पखवाड़े में गोल्ड ईटीएफ में रिकॉर्ड 706 मिलियन डॉलर का निवेश आया है। इससे पहले अक्टूबर में 657 मिलियन डॉलर की निकासी हुई थी, जो अब उलट गई है। यह स्थिति संकट के पिछले दौर की याद दिलाती है, जब इक्विटी बाजारों में मंदी के बावजूद सोने और चांदी की कीमतें गिर गई थीं, लेकिन कुछ ही महीनों में दोगुनी हो गई थीं।

अमेरिकी बाजारों में मौजूदा गिरावट वाकई बहुत गंभीर है। बाजार की यह भारी गिरावट दिखाती है कि भले ही नए इनोवेशन सफल हो रहे हों, फिर भी वित्तीय मंदी आ सकती है।

रिपोर्ट के अनुसार, अंत में, डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत में हालिया उतार-चढ़ाव ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत जैसे देश के लिए, एक निश्चित सीमा के बाद, विनिमय दर शॉक एब्जॉर्बर के बजाय शॉक एम्पलीफायर का काम करने लगती है।

एशिया में भारत का बढ़ता प्रभाव, आर्थिक और रणनीतिक ताकत को प्रभाव में बदलने में हुआ अधिक सक्षम : श्रुति पंडालाई

नई दिल्ली/एजेंसी

लोवी इंस्टीट्यूट में इंडिया चेयर श्रुति पंडालाई ने सोमवार को कहा कि एशिया पावर इंडेक्स में भारत की बेहतर रैंकिंग यह दर्शाती है कि देश अपनी आर्थिक, कूटनीतिक और रणनीतिक क्षमताओं को प्रभाव में बदलने में पहले की तुलना में अधिक सफल हो रहा है। उन्होंने कहा कि भारत इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में एक अधिक प्रभावशाली और परिणामकारी शक्ति के रूप में उभर रहा है तथा चीन के साथ उसका अंतर 2018 में इस सूचकांक की शुरुआत के बाद सबसे कम स्तर पर पहुंच गया है।

आईएएनएस के साथ खास बातचीत में पंडालई ने कहा कि इस रिपोर्ट का निष्कर्ष यह नहीं है कि भारत की शक्ति में अचानक कोई नाटकीय बढ़ोतरी हुई है। बल्कि यह दिखाता है कि भारत अपनी मौजूदा क्षमताओं का उपयोग वैश्विक और क्षेत्रीय प्रभाव बढ़ाने के लिए अधिक कुशलता से कर रहा है।



उन्होंने कहा, यह रिपोर्ट वास्तव में बताती है कि भारत एक अधिक प्रभावशाली और प्रभावी शक्ति बन रहा है। इसे भारत की शक्ति में अचानक आई बड़ी छलांग के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि इस रूप में कि भारत अपनी क्षमताओं को प्रभाव में बदलने में अधिक कुशल हुआ है।

पंडालई ने बताया कि एशिया पावर इंडेक्स में भारत के कुल स्कोर में सीमित लेकिन सकारात्मक बढ़ोतरी हुई है, जबकि चीन का स्कोर लगभग स्थिर रहा। इससे दोनों देशों के बीच का अंतर कम हुआ है।

उन्होंने भारत की बढ़ती क्षेत्रीय भूमिका का श्रेय इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में उसकी सक्रिय भागीदारी और वैश्विक स्तर पर बढ़ते कूटनीतिक जुड़ाव को दिया। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में भारत ने अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों के साथ रणनीतिक साझेदारी को मजबूत किया है। साथ ही यूरोप, पश्चिम एशिया, ओशिनिया और दक्षिण-पूर्व एशिया में भी अपने संबंधों का उल्लेखनीय विस्तार किया है।

पंडालई ने आगे आईएएनएस से कहा कि भारत अब क्षेत्रीय संस्थाओं, रणनीतिक संवादों और बहुपक्षीय मंचों पर पहले से कहीं अधिक सक्रिय और दिखाई देने वाला देश बन चुका है। इससे भारत की नेतृत्व क्षमता और प्रभावशीलता को लेकर अंतरराष्ट्रीय धारणा मजबूत हुई है।

उन्होंने बताया कि भारत ने हमेशा अपने राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखते हुए विभिन्न वैश्विक शक्तियों के साथ संतुलित संबंध बनाए रखे हैं। उन्होंन कहा कि कई बार लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, शी चिनफिंग या व्लादिमीर पुतिन की एक साथ तस्वीरों को देखकर यह निष्कर्ष निकाल लेते हैं कि भारत किसी विशेष खेमे की ओर झुक रहा है, जबकि वास्तविकता इससे अलग है।

पंडालई ने कहा, भारत ने स्पष्ट रणनीतिक विकल्प चुने हैं कि उसकी क्षमता निर्माण की प्राथमिकताएं क्या हैं और दुनिया में उसकी भूमिका कैसी होनी चाहिए। भारत अपने मूल राष्ट्रीय हितों को केंद्र में रखकर संतुलन बनाए हुए है।

महिंद्रा फाइनेंस ने गोल्ड लोन कारोबार के अधिग्रहण की रिपोर्ट को किया खारिज

मुंबई/एजेंसी।

महिंद्रा एंड महिंद्रा फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड ने उस रिपोर्ट को खारिज कर दिया है, जिसमें दावा किया गया था कि कंपनी गोल्ड लोन क्षेत्र में अधिग्रहण के अवसरों का मूल्यांकन कर रही है। कंपनी ने कहा कि ये दावे निराधार हैं और उसकी वास्तविक स्थिति को नहीं दर्शाते हैं।

स्टॉक एक्सचेंजों को दिए स्पष्टीकरण में गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) ने कहा कि वह 23 नवंबर को प्रकाशित एक समाचार रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया दे रही है। इस रिपोर्ट में दावा किया गया था कि कंपनी गोल्ड फाइनेंस कारोबार में अपनी मौजूदगी बढ़ाने के लिए संभावित अधिग्रहण के अवसर तलाश रही है।

एनबीएफसी के अनुसार, यह रिपोर्ट और इससे जुड़ी सुर्खियां, साथ ही इसी जानकारी के आधार पर प्रकाशित अन्य खबरें भी गलत हैं। कंपनी ने अपनी फाइलिंग में कहा, यह लेख, इसकी सुर्खियों और इसी रिपोर्ट के अन्य संस्करणों या कवरेज सहित पूरी तरह निराधार है और इस मामले में कोई सच्चाई नहीं है।



यह स्पष्टीकरण उस रिपोर्ट के बाद आया है, जिसमें अज्ञात सूत्रों के हवाले से कहा गया था कि कंपनी तेजी से बढ़ते गोल्ड लोन क्षेत्र में अवसरों की तलाश कर रही है और संभावित अधिग्रहण लक्ष्यों को लेकर शुरुआती बातचीत भी कर चुकी है।

इन अटकलों पर प्रतिक्रिया देते हुए कंपनी ने दोहराया कि वह लागू लिस्टिंग नियमों के तहत सभी प्रकटीकरण आवश्यकताओं का पालन करती है और कानून के अनुसार जरूरी सभी जानकारियां साझा कर चुकी है।

हालांकि, कंपनी ने रिपोर्ट को खारिज करने के अलावा कोई अन्य जानकारी नहीं दी।

महिंद्रा समूह की सहायक कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड मुख्य रूप से वाहन वित्तपोषण और ग्रामीण क्षेत्रों में कर्ज देने के कारोबार पर केंद्रित है। यह देश की प्रमुख गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों में से एक है। सोमवार को बीएसई पर महिंद्रा एंड महिंद्रा फाइनेंशियल सर्विसेज के शेयर 0.68 प्रतिशत की गिरावट के साथ 286.45 रुपए प्रति शेयर पर बंद हुए।

एक्सचेंज के अनुसार, एनबीएफसी के शेयर ने 415 रुपए का 52 सप्ताह का उच्चतम स्तर और 253.30 रुपए का 52 सप्ताह का न्यूनतम स्तर दर्ज किया है।

गुरु नानक जयंती के अवसर पर भारतीय शेयर बाजार बंद, एनएसई और बीएसई पर नहीं होगा कारोबार

मुंबई/एजेंसी। गुरु नानक जयंती के चलते भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को बंद रहेगा। इस दौरान इक्विटी के साथ डेरिवेटिव्स और अन्य सेगमेंट में भी कारोबार नहीं होगा।

इस दौरान बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर कारोबार में भी पूरी तरह से रोक रहेगी। हालांकि, कमोडिटी मार्केट आंशिक रूप से बंद रहेगा।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे के सत्र में कारोबार बंद रहेगा, जबकि शाम के सत्र में 5 बजे से रात 11:30 बजे तक कारोबार सामान्य रहेगा। लेकिन नेशनल कमोडिटी एंड डेरिवेटिव्स एक्सचेंज (एनसीडीईएक्स) पर कारोबार पूरी तरह से बंद रहेगा।

यह नवंबर में पडने़ वाली दूसरी शेड्यूल छुट्टी है। इससे पहले 10 नवंबर को दीपावली-बलिप्रतिपदा के चलते शेयर बाजार बंद था। इसके बाद शेयर बाजार 25 दिसंबर को क्रिसमस के चलते बंद रहेगा।

बीते सत्र यानी सोमवार को भारतीय शेयर बाजार में बड़ी गिरावट देखी गई थी। बाजार बंद होने पर सेंसेक्स 1,483.72 अंक या 1.77 प्रतिशत फिसलकर 82,435.99 पर और निफ्टी 450.95 अंक या 1.75 प्रतिशत गिरकर 25,349.65 पर बंद हुआ।

दिन के कारोबार में सेंसेक्स ने अपने पिछले बंद 83,919.71 की तुलना में 84,662.96 का उच्चतम स्तर और 82,395.88 का निम्नतम स्तर छुआ, जबकि निफ्टी ने अपने पिछले बंद 25,800.60 की तुलना में 25,992.60 का उच्चतम तो 25,343.85 का निम्नतम स्तर छुआ।

सूचकांकों में निफ्टी मेटल, निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी प्राइवेट बैंक इंडेक्स में 3 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई। इसके बाद निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज में 2.3 प्रतिशत, निफ्टी ऑयल एंड गैस में 2 प्रतिशत और निफ्टी ऑटो में 1 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली। जबकि इसके विपरीत निफ्टी आईटी में सबसे ज्यादा 1.69 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। इसके साथ ही निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और निफ्टी रियल्टी में तेजी देखने को मिली।

शिवनारायण सिंह

साहित्य में समय की बेचैनी और समाज का सच



रचनात्मकता, वैचारिक प्रतिबद्धता और सामाजिक सरोकारों से निर्मित एक बहुआयामी साहित्यिक व्यक्तित्व



राजेन्द्र शर्मा









डॉ. शिवनारायण सिंह के लिए साहित्य अपने समय, समाज और मनुष्य की पीड़ा को शिद्दत से समझने और समाज के प्रति अपने सरोकारों को अभिव्यक्त करने का माध्यम है। उनकी यही सोच कविता, कहानी, आलोचना, पत्रकारिता, भाषा-विज्ञान और संपादन जैसे अनेक क्षेत्रों में सक्रियता से काम करते हुए उन्हें केवल एक लेखक नहीं, बल्कि अपने समय के सजग बौद्धिक हस्तक्षेपकर्ता के रूप में स्थापित करती है।

डॉ. शिवनारायण सिंह का जन्म 19 जनवरी, 1962 को बिहार के एक छोटे से गांव में हुआ। उनका बचपन ग्रामीण परिवेश, अभावों और जीवन के ऐसे कठिन संघर्षों के बीच बीता कि बचपन में ही बिहार में फैली एक महामारी में उनकी मां और तीन बडी बहन चल बसी और कुछ ही सालों वाद पिता कमलेश्वरी सिंह का साया भी उनके सिर से उठ गया । पारिवारिक परिस्थितियों ने उन्हें कम उम्र में ही जीवन की कठोर वास्तविकताओं से परिचित करा दिया। उनके बचपन की स्मृतियों में गांव, खेती-किसानी, सामाजिक संबंध, अभाव और संघर्ष की अनेक छवियां सुरक्षित हैं। संभवतः यही अनुभव आगे चलकर उनकी साहित्यिक संवेदना का आधार बने। कटिहार से पटना तक की उनकी शैक्षिक यात्रा भी आसान नहीं थी। सीमित आर्थिक संसाधनों के बावजूद उन्होंने अपनी पढ़ाई जारी रखी। पटना विश्वविद्यालय से हिंदी में प्रथम श्रेणी में एम.ए. किया और रांची विश्वविद्यालय से पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की। उन्होंने एम.एड. की शिक्षा भी हासिल की। विक्रमशिला हिंदी विद्यापीठ से उन्हें विद्या वाचस्पति और विद्यासागर जैसी मानद उपाधियां प्रदान की गईं। उनके जीवन का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि उन्होंने अपनी शैक्षिक उपलब्धियों को केवल व्यक्तिगत उन्नति तक सीमित नहीं रखा। अध्यापन और साहित्यिक गतिविधियों के माध्यम से ज्ञान तथा विचार की दुनिया को समृद्ध करने का प्रयास किया। वे पटना स्थित श्री अरविंद महिला कॉलेज, पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर हिंदी विभाग में प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष रहे। वर्तमान में वे हिंदी साहित्यिक पत्रिका 'नई धारा' के संपादक हैं।

संघर्ष से साहित्य तक की यात्रा

डॉ. शिवनारायण सिंह की लेखकीय यात्रा के पीछे किसी सुविधासंपन्न परिवेश की कहानी नहीं है। यह आत्मनिर्भर बनने की जिद, पढ़ने की ललक और जीवन को समझने की बेचैनी से निर्मित यात्रा है। पटना में शिक्षा के दौरान उन्होंने अपनी आर्थिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए काम भी किया। पत्रकारिता से उनका जुड़ाव इसी संघर्षपूर्ण दौर में हुआ। बी.ए. की पढ़ाई के दौरान ही उन्हें एक स्थानीय अखबार 'अभिनव पथ' के संपादन का अवसर मिला। इसके बाद विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं से उनका संबंध लगातार मजबूत होता गया। कविता, कहानी, आलोचना, पत्रकारिता, भाषा-विज्ञान और संपादन जैसे अनेक क्षेत्रों में अपनी सक्रियता के बारे मे डॉ. शिवनारायण सिंह बताते है कि जीवन में परिस्थितियों ने उन्हें अलग-अलग विधाओं की ओर प्रेरित किया। इसीलिए उनके लेखन में किसी एक विधा का आग्रह नहीं दिखाई देता। कविता से शुरू हुई यात्रा कहानी, उपन्यास, आलोचना और भाषा-विमर्श तक पहुंचती है। डॉ. शिवनारायण सिंह की रचनात्मक सक्रियता का सबसे महत्वपूर्ण प्रमाण उनका विपुल साहित्यिक अवदान है। विभिन्न विधाओं में उनकी 58 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। इनमें कविता, कहानी, आलोचना, साहित्यिक पत्रकारिता, भाषा-विज्ञान और सामाजिक विश्लेषण से संबंधित पुस्तकें शामिल हैं। 'साहित्य का लोकतंत्र', 'संस्कृति का विवेक', 'रचना का जनपक्ष', 'समय के सरोकार', 'साहित्य का समाजशास्त्र', 'साहित्यिक पत्रकारिता का साधु-संग्राम', 'हिंदी पत्रकारिता का समकालीन विमर्श' और 'हिंदी विज्ञापनों का समकालीन विमर्श' जैसी पुस्तकें उनके अध्ययन और चिंतन के विविध आयामों को सामने लाती हैं। उनके रचनात्मक संसार में 'काला गुलाब', 'सफेद जतन', 'दिल्ली में गांव', 'झील में चांद' और 'कथा कहे बलराम' जैसी कृतियां भी महत्वपूर्ण हैं। 'वृद्ध जीवन की कहानियाँ' तथा 'समकालीन प्रेम कहानियां' जैसे कहानी-संग्रहों में भी उनकी साहित्यिक रुचियों का विस्तार दिखाई देता है।

उनकी पुस्तकों के शीर्षक ही यह संकेत देते हैं कि उनका लेखन साहित्य को केवल सौंदर्यबोध अथवा मनोरंजन की वस्तु नहीं मानता। वे साहित्य को समाज की संरचना, मनुष्य की परिस्थितियों और समय के अंतर्विरोधों को समझने का माध्यम मानते हैं।

डॉ. शिवनारायण सिंह की आलोचनात्मक दृष्टि का एक महत्वपूर्ण पक्ष उनका सामाजिक यथार्थबोध है। गांव उनके लेखन में केवल स्मृति या भावुकता का विषय नहीं है। वह भारतीय समाज की संरचना, बदलते आर्थिक संबंधों, विस्थापन और सामाजिक विषमता को समझने की एक महत्वपूर्ण जमीन है।

'दिल्ली में गांव' जैसी कृति के माध्यम से वे महानगरीय जीवन के भीतर उपस्थित ग्रामीण अनुभवों और सांस्कृतिक स्मृतियों को सामने लाते हैं। उनके यहां गांव का अर्थ केवल भौगोलिक स्थान नहीं, बल्कि जीवन-मूल्यों, संबंधों और सामुदायिक चेतना का संसार भी है। उनकी आलोचना में बाजारवाद, उपभोक्तावाद, पूंजीवादी संस्कृति और लोकतांत्रिक व्यवस्था के अंतर्विरोधों पर विशेष चिंता दिखाई देती है। वे मानते हैं कि बाजार का बढ़ता प्रभाव मनुष्य के जीवन, शिक्षा, संस्कृति और सामाजिक संबंधों को प्रभावित कर रहा है। आर्थिक विकास के चमकदार दावों के पीछे छिपी असमानता और आम आदमी की पीड़ा उनके लेखन का महत्वपूर्ण विषय है। किसानों और मजदूरों का शोषण, गांवों से पलायन, बेरोजगारी, स्त्रियों की असुरक्षा, वृद्धों की उपेक्षा, जातिगत भेदभाव और सामाजिक अन्याय जैसे प्रश्न उनकी वैचारिक दुनिया में बार-बार उपस्थित होते हैं।

उनकी कविताओं और आलोचनात्मक लेखन में व्यवस्था के प्रति असहमति का स्वर भी मिलता है। वे साहित्यकार की भूमिका को केवल घटनाओं का वर्णन करने तक सीमित नहीं मानते। उनके लिए लेखक का दायित्व समाज की विसंगतियों को पहचानना और मनुष्य के पक्ष में अपनी रचनात्मक आवाज बुलंद करना है।

पत्रकारिता और संपादन - विचारों का एक और मोर्चा

डॉ. शिवनारायण सिंह का पत्रकारिता से रिश्ता भी दीर्घकालीन और गंभीर है। उन्होंने 'शिक्षा डाइजेस्ट', 'देखा-लेखा', 'नई धारा', 'चिंतन सृजन', 'जिज्ञासा संसार', 'धर्मयुग' और 'विचार दृष्टि' जैसी अनेक पत्र-पत्रिकाओं के संपादन से जुड़कर काम किया है। 'नई धारा' के साथ उनका संपादकीय संबंध विशेष महत्व रखता है। यह पत्रिका 1950 से प्रकाशित होती रही है और हिंदी साहित्यिक पत्रकारिता की एक महत्वपूर्ण परंपरा का हिस्सा है। पत्रकारिता पर उनका विचार भी स्पष्ट है। वे मानते हैं कि साहित्य और पत्रकारिता दोनों का आधार भाषा है, लेकिन आज पत्रकारिता पर बाजार और पूंजी का प्रभाव बढ़ा है। मीडिया को वे सत्ता, बाजार और समाज के बीच सक्रिय एक महत्वपूर्ण माध्यम मानते हैं। साथ ही, वे इस बात को लेकर चिंतित हैं कि समाचारों की विश्वसनीयता और सामाजिक जिम्मेदारी पर व्यावसायिक दबाव हावी होता जा रहा है।

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सक्रियता

उनकी गतिविधियां बिहार अथवा हिंदी साहित्य के सीमित दायरे तक नहीं रहीं। अनेक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय साहित्यिक सम्मेलनों, संगोष्ठियों तथा परिसंवादों में उन्होंने भागीदारी की है। आकाशवाणी और दूरदर्शन के पटना, रांची और दिल्ली केंद्रों से उनके अनेक कार्यक्रम प्रसारित हुए हैं। भारत सरकार के वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग की कार्यशालाओं में भाषा विशेषज्ञ के रूप में उनकी भागीदारी रही है। उन्होंने अनेक शोधार्थियों का मार्गदर्शन किया तथा विश्वविद्यालयों में शोध-मूल्यांकन और पाठ्यक्रम निर्माण जैसे अकादमिक दायित्व भी निभाए। साहित्यिक एवं सामाजिक कार्यों के लिए उन्हें 'नागार्जुन पुरस्कार' (2003), 'चाणक्य शिखर सम्मान' (2005), 'पत्रकारिता सम्मान' (2011), 'उद्भव शिखर सम्मान' (2011), गणेश शंकर विद्यार्थी पुरस्कार (2011), स्पंदन आलोचना शिखर सम्मान (2017), 'शताब्दी सम्मान' (2018), राष्ट्रीय गौरव सम्मान (2024) तथा 'बी.पी. मंडल पुरस्कार' (2025) से नवाजा जा चुका है। वर्ष 2017 से 2022 तक थावे विद्यापीठ, गोपालगंज के प्रथम कुलपति के रूप में भी उन्होंने दायित्व निभाया। उनकी दृष्टि में साहित्य का उद्देश्य केवल सुंदर शब्दों की रचना करना नहीं, बल्कि समय के भीतर उपस्थित असुंदर और असहज सच को सामने लाना भी है। यही कारण है कि उनकी रचनाओं में सामाजिक विषमता, लोकतांत्रिक मूल्यों का संकट, बाजार का दबाव और मानवीय संवेदनाओं का क्षरण जैसे प्रश्न केंद्रीय स्थान पाते हैं। डॉ. शिवनारायण सिंह की यात्रा अभी भी एक ऐसे लेखक की यात्रा है, जो अपने समय को केवल देखता नहीं, उससे सवाल भी करता है। साहित्य के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और समाज के प्रति उनकी चिंता ही उनकी सबसे बड़ी पहचान है। वस्तुतः उनकी रचनात्मकता का केंद्रीय आग्रह यही है कि साहित्य मनुष्य से कटकर नहीं, बल्कि मनुष्य के जीवन, संघर्ष और स्वप्नों से जुड़कर ही सार्थक हो सकता है।

न्यूज अपडेट

हैदराबाद में सेप्टिक टैंक की सफाई करने उतरे 3 कर्मचारियों की मौत

● जहरीली गैस से दम घुटने की आशंका



हैदराबाद। हैदराबाद के बचुपल्ली इलाके में सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान तीन कर्मचारियों की दर्दनाक मौत हो गई। तीनों एक अपार्टमेंट के सीवेज सिस्टम की सफाई करने के लिए टैंक के अंदर उतरे थे, लेकिन बाहर नहीं निकल सके। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, टैंक में जहरीली गैस भरने और ऑक्सीजन की कमी के कारण उनका दम घुट गया। तीनों के शव टैंक के अंदर मिले हैं। हादसे के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

यह हादसा तेलंगाना के मेड़चल-मलकाजगिरी जिले के बचुपल्ली इलाके में हुआ। यहां दीपक हरिक अपार्टमेंट में सीवेज सिस्टम की सफाई का काम चल रहा था। इसी दौरान तीन कर्मचारी सेप्टिक टैंक के अंदर उतरे थे। कुछ देर बाद तीनों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान सुमन (24), सुरेश (25) और पवन (25) के रूप में हुई है। तीनों एचआर इनवेस्ट नाम की सेप्टिक टैंक सफाई एजेंसी के लिए काम करते थे। शुरुआती जानकारी के अनुसार, टैंक के अंदर जहरीली गैस और ऑक्सीजन की कमी के कारण तीनों बेहोश हो गए। दम घुटने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। बाद में तीनों के शव टैंक के अंदर मिले। सेप्टिक टैंक और सीवर की सफाई के दौरान जहरीली गैसों का खतरा बना रहता है। टैंक के अंदर ऑक्सीजन की कमी भी हो सकती है। ऐसे बंद स्थानों में जरूरी सुरक्षा इंतजामों के बिना उतरना जानलेवा साबित हो सकता है। इस हादसे में भी पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि कर्मचारियों ने किन परिस्थितियों में टैंक के अंदर सफाई का काम शुरू किया था। हादसे की सूचना मिलने के बाद बचुपल्ली पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। तीनों कर्मचारियों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे जा रहे हैं। पुलिस यह जांच कर रही है कि सफाई के दौरान कर्मचारियों को सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराए गए थे या नहीं। इसके अलावा टैंक में उतरने से पहले जहरीली गैस की जांच की गई थी या नहीं, इस पहलू को भी देखा जा रहा है। ऑक्सीजन की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के इंतजाम थे या नहीं, इसकी भी पड़ताल की जा रही है। हादसे के बाद तीनों कर्मचारियों के परिवारों में मातम पसरा हुआ है।

2029 तक नशा मुक्त बनाएंगे पंजाब

● चुनाव से पहले अमित शाह ने किए कई बड़े वादे,

● कांग्रेस-आप पर चुन-चुनकर प्रहार



नयी दिल्ली। पंजाब में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले सियासी पारा हाई है. मंगलवार (24 नवंबर) को शिरोमणि अकाली दल (शिअद) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच करीब 6 साल बाद गठबंधन हुआ है. साल 2020 में दोनों दलों के बीच गठबंधन में दरार पड़ गई थी. दरअसल, नई दिल्ली में बीजेपी मुख्यालय में शिअद प्रमुख सुखबीर सिंह बादल की मौजूदगी में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रअऊ और इखढ के बीच गठबंधन का ऐलान किया. अमित शाह ने कहा कि पंजाब और पूरे देश में यह गठबंधन हिंदू-सिख भाईचारे का प्रतीक बनेगा. अमित शाह ने इस पीसी को संबोधित करते हुए कहा कि बीजेपी और अकाली दल पंजाब में कई प्रमुख विषयों को लेकर घोषणा पत्र जारी करेंगे. शाह ने कहा कि पंजाब से नशे का उन्मूलन हमारा प्रमुख लक्ष्य होगा. राज्य से भ्रष्टाचार का उन्मूलन और राष्ट्रवादी शक्तियों को सशक्त करना भी हमारा प्रमुख लक्ष्य होगा. शाह ने इस दौरान कहा कि पंजाब में अकाली दल बड़े भाई की भूमिका में रहेगा. चुनाव दोनों दल मिलकर लड़ेंगे, लेकिन बड़े भाई की भूमिका में अकाली दल रहेगा और अकाली दल से ही मुख्यमंत्री रहेगा।

16 दिसंबर को बांग्लादेश लौटने की तैयारी में शेख हसीना

सरकार बोली- 'हथकड़ी लगाकर ही आएंगी'

नयी दिल्ली।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने 16 दिसंबर में अपने देश वापस लौटने का फैसला किया है। उन्होंने बांग्लादेश सरकार से मांग की है कि दिल्ली से ढाका जाने के लिए उनके लिए फ्लाइट का इंतजाम किया जाए, और यह सफर बांग्लादेश की सरकारी एयरलाइन से कराया जाए। उनके स्वदेश लौटने पर बांग्लादेश सरकार ने कहा है कि वह सिर्फ हथकड़ी पहनकर एक आतंकवादी के रूप में ही लौट सकती हैं। वह अगस्त 2024 में हुए विद्रोह के बाद सत्ता छोड़कर भारत आ गई थी।



शेख हसीना को बताया भगोड़ी आतंकवादी

बांग्लादेश के विदेश राज्य मंत्री हुमायूं कबीर ने मीडिया से बात करते हुए पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि ₹बांग्लादेश के लोग आतंकवाद का केवल एक ही रूप जानते हैं, और वह है शेख हसीना द्वारा फैलाया गया 'अवामी आतंकवाद'।'कबीर ने हसीना पर गंभीर आरोप दोहराते हुए उन्हें एक दोषी अपराधी और भगोड़ी आतंकवादी बताया।

उन्होंने कहा कि, 'शेख हसीना को सिर्फ हथकड़ी लगाकर या कड़ी निगरानी में ही वापस लाया जा सकता है। आप लोगों के मन में भी ये सवाल आ रहा है कि शेख हसीना ने वतन वापसी के लिए 16 दिसंबर ही क्यों चुना? तो आपको बता दें कि ये तारीख बांग्लादेश के लिए बहुत खास है, इस दिन वहां विजय दिवस मनाया जाता है। क्योंकि इस दिन बांग्लादेश को पाकिस्तान से आज़ादी मिली थी। तो हो सकता है कि इसी को ध्यान में रखकर ये तारीख चुनी गई हो।

कोर्ट ने सुनाई थी मौत की सजा

आपको बता दें कि ढाका की इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल (क्ढळ) अदालत ने 17 नवंबर 2025 को पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को 2024 के छात्र आंदोलन के दौरान हुई हिंसा और हत्याओं के मामले में दोषी मानते हुए मौत की सजा सुनाई थी, हालांकि भारत में रहते हुए उन्होंने इन सभी आरोपों से इनकार किया है।

रामदेव के पाखंडी कहने पर बाबा बागेश्वर का जवाब-

चार दिन पहले प्रशंसा की, आज निंदा कर दी, दोनों स्वीकार

नयी दिल्ली।

कथावाचक धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने योग गुरु स्वामी रामदेव के बयान पर जवाब दिया है. रामदेव ने उनका नाम लिए बिना ही पाखंडी करार दिया था. बाबा बागेश्वर ने बाबा रामदेव को लेकर कहा कि उन्होंने हमेशा हमें स्नेह दिया और हमने उन्हें अभिभावक के रूप में देखा. चार दिन पहले वह हमारे मंच पर आए थे. अब उन्होंने ऐसा कहा. हमको निंदा भी स्वीकार है और प्रशंसा भी स्वीकार है. कोई बात उन्हें लगी होगी तो उन्होंने ऐसा कहा. पूज्य स्वामी जी ऐसा ही कहते हैं. 4 दिन पहले उन्होंने प्रशंसा की थी और आज निंदा कर दी. यदि आज हम कुछ कहें तो वही बात होगी कि गुड़ में सम्मिलित और मठा में न्यारे.



हम हिंदुओं को जोड़ने के लिए हैं तोड़ने के लिए थोड़ी हैं. उन्होंने हमारा नाम नहीं लिया है. वह बहुत सरल हैं. कोई बात उनके मन में हुई होगी तो उन्होंने आशीर्वाद दे दिया. यह भी आशीर्वाद है. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि हम सदा संतों के लिए थे और हिंदुओं के लिए थे. हम जोड़ने के लिए हैं. हम किसी भी संत पर कोई टिप्पणी नहीं करेंगे. वह जैसे भी हैं, अपने ही हैं. दोनों ही स्थितियों में बड़ा आनंद है. उन्होंने जो भी कहा, यह भी आशीर्वाद है. यही नहीं बागेश्वर ने कथा की व्यास पीठ से लोगों से भी कहलवाया कि बोलिए कि यह भी आशीर्वाद है. उन्होंने कहा कि हम तो भगवान के भरोसे रहते हैं. हमारे लिए सब कुछ सही ही है. इस तरह बाबा बागेश्वर ने रामदेव की ओर से की गई तीखी टिप्पणी पर विवाद बढ़ाने की बजाय नरम रुख ही अपनाया है. महिला सशक्तीकरण को लेकर हुए एक आयोजन में बाबा रामदेव सोमवार को फायर हो गए थे. इस दौरान उन्होंने धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का नाम लिए बिना निशाना साधा था. उनका कहना था कि भगवान कृष्ण को टेढ़े कहा और फिर माफी मांग ली. फिर मंदिर दर्शन को गए और कहा कि भगवान कृष्ण तो टेढ़े ही हैं. अरे पाखंडी ऐसा कैसे कर सकते हो. यही नहीं उन्होंने आरोप लगाया था कि कुछ लोग आजकर हिंदुओं को हिंसा सिखा रहे हैं. क्या आज के दौर में भाला और हथियारों की जरूरत है, जब पुलिस और प्रशासन हैं. उनका कहना था कि हिंदुओं को किसी के अंधविश्वास में आने की जरूरत नहीं है।

वोलोदिमिर ज़ेलेन्स्की का दावा

यूक्रेन पर नए हमले की तैयारी कर रहा है रूस, अमेरिका और अन्य देशों से मांगी मदद

नयी दिल्ली।

रूस-यूक्रेन युद्ध को 57 महीने पूरे हो गए हैं। काफी कूटनीतिक प्रयासों के बावजूद यह युद्ध रुकने का नाम नहीं ले रहा है। रूस की तरफ से यूक्रेन पर लगातार हमले किए जा रहे हैं। यूक्रेन भी रूस के अहम सैन्य और ऊर्जा ठिकानों को निशाना बना रहा है। कुछ समय पहले यूक्रेनी सेना ने तीन दिन क्रीमिया ब्रिज पर भी हमले किए। इसी बीच अब यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर ज़ेलेन्स्की ने रूस के नए हमलों के बारे में बड़ा दावा किया है। ज़ेलेन्स्की ने सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर करते हुए लिखा, 'हमारे पास ऐसी खुफिया जानकारी है जिससे पता चलता है कि रूस, यूक्रेन पर नए हमले की तैयारी कर रहा है। कृपया मिसाइल हमले की चेतावनियों पर ध्यान दें और सुरक्षित रहें। यह ज़रूरी है कि अमेरिका और वो अन्य देश, जिन पर हमारे शहरों और बुनियादी ढांचे की सुरक्षा के लिए एंटी-बैलिस्टिक



इंटरसेप्टर की सप्लाई निर्भर करती है, वो भी इन चेतावनियों पर ध्यान दें। हमारे पास मौजूद हर पैट्रियट मिसाइल रूस के लिए एक करारा जवाब है। यह कूटनीति और इंसानी ज़िंदगी के प्रति रूस की अवहेलना पर एक प्रहार है। यह युद्ध सिर्फ इसलिए जारी है। क्योंकि रूस को लगता है कि उसमें लोगों को मारने और सब कुछ तबाह करने की क्षमता है। इस युद्ध को हर हाल में रोका जाना चाहिए। रूस के इस युद्ध को रोका जाना ज़रोरोइ है। यूक्रेन की मदद की जानी चाहिए और लोगों की जान बचाई जानी चाहिए। यूक्रेन में पैट्रियट मिसाइलों की जरूरत है और हमें अमेरिका से जरूरी फैसले लिए जाने की पूरी उम्मीद है।' यूक्रेनी राष्ट्रपति ज़ेलेन्स्की कई मौकों पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को यूक्रेन में ही पैट्रियट मिसाइल डिफेंस सिस्टम बनाने का प्रस्ताव दे चुके हैं। इस विषय में दोनों के बीच प्रोडक्शन लाइसेंस और कई अन्य विचारों पर बातचीत भी हुई है, जिससे रूस के खिलाफ युद्ध में यूक्रेन को मदद मिल सकती है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि पैट्रियट मिसाइल डिफेंस सिस्टम एक ज़मीन आधारित एयर मिसाइल डिफेंस सिस्टम है। इससे आने वाली मिसाइलों को रोका जा सकता है। साथ ही इसे मिसाइल लॉन्चर की तरह भी इस्तेमाल किया जा सकता है। रूस के हमलों के खिलाफ यूक्रेन की सुरक्षा के लिए ज़ेलेन्स्की ने इस हथियार की सप्लाई को ज़रूरी बताया है। इसके साथ ही वह इसके यूक्रेन में प्रोडक्शन पर भी जोर दे रहे हैं, जिससे इसकी कमी न हो। हालांकि ट्रंप की तरफ से अभी तक यूक्रेन में इसके प्रोडक्शन को ग्रीन सिग्नल नहीं दिया गया है।

व्हाट मां लेफ्ट आउट ऑफ हर बुक

तेरा चाचा चोर है', इमरजेंसी के तानों पर प्रियंका गांधी ने स्कूल में एक लड़के को जड़ दिया था थप्पड़

नई दिल्ली।

1977 के आम चुनाव में मिली हार और इमरजेंसी के बाद के दौर ने नेहरू-गांधी परिवार की रोजमर्रा की जिंदगी और बच्चों के बचपन को किस तरह गहरे तक प्रभावित किया था, इसकी झलक मंगलवार को जारी एक खास वीडियो में देखने को मिली। व्हाट मां लेफ्ट आउट ऑफ हर बुक (मां ने अपनी किताब में क्या नहीं लिखा) शीर्षक से सामने आए इस वीडियो में राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा ने अपनी मां सोनिया गांधी के साथ खुलकर बातचीत की और अपने बचपन के संवेदनशील, भावुक व तनावपूर्ण दिनों को याद किया। बातचीत के दौरान दोनों भाई-बहनों ने उस समय को याद किया जब इमरजेंसी के बाद उनकी दादी इंदिरा गांधी और चाचा संजय गांधी को चुनाव में हार का सामना करना पड़ा। इस राजनीतिक बदलाव के साथ परिवार को एक दूसरे घर में शिफ्ट होना पड़ा। प्रियंका ने उस दौर के माहौल को बयां करते हुए कहा, उस समय माहौल में बहुत तनाव था। चुनाव परिणामों के बाद जब पहली बार दोनों स्कूल गए, तो वहां का अनुभव भी आसान नहीं था। प्रियंका ने बताया कि स्कूल में एक लड़के ने उनके चाचा संजय गांधी को लेकर ताना मारा, जो उस वक्त किस्सा कुर्सी का मामले में जेल में थे। प्रियंका के मुताबिक, मुझे याद है कि एक छोटा लड़का मेरे पास आया और बोला, तेरा चाचा जेल



में है; तेरा चाचा चोर है। मैंने उसे एक थप्पड़ मार दिया और वह रोने लगा। हम टीचर के पास गए और मुझे डांट पड़ी। यह घटना दर्शाती है कि कैसे बड़ों की सियासी लड़ाई और कानूनी कार्रवाइयों का सीधा असर बच्चों के व्यवहार और स्कूल के माहौल पर पड़ रहा था।

अकेलापन, रूखापन और एक सच्चा दोस्त

वहीं, राहुल गांधी ने स्कूल में महसूस किए गए एक अलग किस्म के अकेलेपन का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि चुनाव के बाद स्कूल के पहले दिन जब वे अपनी सीट पर बैठे, तो कोई भी उनके बगल में नहीं बैठा। सहपाठी उनसे बात नहीं कर रहे थे और उनका व्यवहार काफी रूखा था। जब राहुल ने बच्चों द्वारा अपनी दादी इंदिरा गांधी के बारे में कही गई बातों का जिक्र किया, तो सोनिया गांधी ने भी बीच में अपनी प्रतिक्रिया दी। परिवार ने एक बर्थडे पार्टी का भी जिक्र किया, जिसे प्रियंका ने हालात को सामान्य बनाने और रिश्ते सुधारने की कोशिश में रखा था। इस पार्टी में 32 बच्चों को न्योता दिया गया था, लेकिन तय समय से 15 मिनट बाद तक कोई नहीं पहुंचा। अंततः सिर्फ एक दोस्त आया, जिसके बारे में राहुल ने बताया कि वह आज भी उनके साथ है।

बचपन से संसद तक दोनों के अलग स्वभाव

इस बातचीत में राहुल और प्रियंका के अलग-अलग व्यक्तित्व भी खुलकर सामने आए। प्रियंका ने बताया कि वह स्कूल में प्रीफेक्ट रहीं और स्कूल के अनुशासन व सिस्टम में अच्छी तरह ढल गईं।

इसके उलट राहुल ने खुद को विद्रोही स्वभाव का बताया, जो सवाल पूछने और व्यवस्थाओं को चुनौती देने में विश्वास रखता था।

राहुल ने कहा, वह विद्रोही नहीं थीं। वह हमेशा नियमों का पालन करती थीं। और मैं विद्रोही था, हमेशा सवाल पूछता रहता था।

प्रियंका ने हल्के-फुल्के अंदाज में यह भी जोड़ा कि आज संसद में भी दोनों के स्वभाव का यही अंतर नजर आता है, जहां वह सिस्टम के मुताबिक ढल जाती हैं, वहीं राहुल ऐसा नहीं करते।

बीजेपी जैसी मशीन से लड़ना है, जीत के लिए होता है अलायंस...

● कांग्रेस से डील पर क्या बोले अखिलेश यादव?



लखनऊ। सपा और कांग्रेस की सीट शेयरिंग को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने साफ किया है कि दोनों दलों के बीच सीटों को लेकर बातचीत जारी है और इसका मकसद सिर्फ एक है, जीत सुनिश्चित करना. उन्होंने कहा कि गठबंधन का मतलब ही यही है कि सहयोगी दल आपसी तालमेल और समझदारी से ऐसी रणनीति बनाएं जिससे विपक्षी दल को हराया जा सके. अखिलेश यादव ने कहा कि उनकी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को बातचीत की जिम्मेदारी दी गई है और वे कांग्रेस के नेताओं के साथ लगातार संवाद में हैं. उन्होंने कहा कि अभी यह बताना जल्दबाजी होगी कि किस सीट पर क्या सहमति बन रही है और कौन-सी पार्टी कितनी सीटों पर चुनाव लड़ सकती है. अखिलेश यादव ने कहा, 'हमारी पार्टी के जो सीनियर नेता हैं और जिन्हें बातचीत की जिम्मेदारी दी गई है, वे चर्चा कर रहे हैं. अभी बातचीत चल रही है. किस सीट पर सहमति बन रही है और कौन-सा दल कितनी सीटें जीत सकता है, इस पर विचार हो रहा है. अभी कुछ कहना मुश्किल है.' उन्होंने आगे कहा कि राजनीतिक दलों के बीच गठबंधन का मकसद सिर्फ सीटों का बंटवारा नहीं होता, बल्कि जीत की मजबूत जमीन तैयार करना होता है. उनके मुताबिक, 'अलायंस इसलिए होता है कि हम जीतें. हम सब मिलकर ऐसा एडजस्टमेंट करें, एक-दूसरे को इस तरह मदद करें कि सामने वाले को हरा सकें. बीजेपी जैसी मशीन को हरा सकें. यही राजनीतिक दलों की सबसे बड़ी जिम्मेदारी होती है.'

52 गेंदों में 104 रन!

● वैभव सूर्यवंशी ने जड़ा वनडे का सबसे तेज शतक, गेंदबाजों की उधेड़ दी बखिया



नयी दिल्ली। क्रिकेट के मैदान पर कभी-कभी ऐसी पारियां देखने को मिलती हैं, जो कुछ ही देर में इतिहास के पन्नों में दर्ज हो जाती हैं. वैभव सूर्यवंशी ने यूएई के खिलाफ महज 28 गेंदों में 103 रन ठोककर कुछ ऐसा ही कर दिखाया है. लिस्ट-ए क्रिकेट की इस तूफानी पारी के साथ उन्होंने सबसे तेज शतक जड़ने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया और मैदान पर मौजूद हर दर्शक को रोमांच से भर दिया. वैभव के बल्ले से निकला यह शतक किसी संयोग का नतीजा नहीं था, बल्कि शुरुआत से ही उनके इरादे साफ नजर आ रहे थे. क्रीज पर आते ही उन्होंने दबाव को खुद पर हावी नहीं होने दिया और सीधे गेंदबाजों पर हमला बोल दिया. डॉट गेंदों के लिए मानो कोई जगह ही नहीं थी. वैभव हर ओवर में रन गति को तेज बनाए रखने की धुन में थे. यूएई के गेंदबाजी आक्रमण के लिए यह दिन किसी बुरे सपने से कम नहीं रहा. चाहे तेज गेंदबाज हों या स्पिनर, वैभव के सामने किसी की एक न चली. उन्होंने लाइन और लेंथ की धज्जियां उड़ाते हुए मैदान के हर कोने में शॉट्स लगाए. गेंदबाजों के हर बदलाव को वैभव ने आसानी से पढ़ा और करारा जवाब दिया.

फील्डिंग सजावट में लगातार बदलाव के बावजूद रन बरसने का सिलसिला नहीं रुका. विपक्षी टीम के कप्तान और गेंदबाज पूरी तरह बेबस नजर आए।

● 28 गेंदों में शतक ठोक रच दिया इतिहास

जैसे-जैसे वैभव शतक के करीब पहुंचे, स्टेडियम में उत्साह अपने चरम पर पहुंच गया. उन्होंने बिना किसी घबराहट के अपना नैसर्गिक खेल जारी रखा और महज 28 गेंदों में 103 रन बनाकर सैकड़ा पूरा कर लिया. यह पारी न सिर्फ आंकड़ों के लिहाज से खास है, बल्कि यह भी दिखाती है कि निडर बल्लेबाजी से मैच का रुख पलक झपकते कैसे बदला जा सकता है।

बेटी ने प्रेमी से किया विवाह तो पिता ने कर दिया अंतिम संस्कार, 200 लोगों को बुलाया

रतलाम। आमतौर पर जिस तरह घर की बेटी मर जाती है ठीक उसी तरह हिंदू रीति रिवाज के मुताबिक बेटी को आज से मरा हुआ मानकर की उसकी आत्मा की शांति के लिए समाज के सैंकड़ो लोगों के बीच पंडित जी की मौजूदगी में हिंदू रीति रिवाज के मुताबिक बेटी की आयोजन रखकर बेटी की गोरनी का कार्यक्रम संपन्न किया गया. दरअसल, तीन दिसंबर को दिन में बेटी मोना प्रजापत की होने वाली थी शादी घर में शादी की लाइट और शहनाई बजने ही वाली थी के बेटी ने अपने प्रेमी के साथ भाग कर लव मैरिज कर ली जिससे नाराज पिता ने जिंदा बेटी की गौरनी का बड़ा आयोजन रखा जिसमें परिवार सहित समाज के और आसपास के लगभग 200 से ढाई सौ लोग मौजद रहे हैं. इतना ही नहीं पिता ने पहले बाकायदा एक स्टांप के माध्यम से एग्रीमेंट कर के बेटी मोना प्रजापत और उसके प्रेमी पति दीपक धाकड़ को हमेशा के लिए स्टॉप पर इस लेख के माध्यम से सभी रिश्तों से बेदखल किया है. मोना के पिता का कहना है कि समाज को इस आयोजन से यह संदेश देना है कि बच्चों का अपने माता-पिता की खुशियों का और अपने माता-पिता के आदर्शों का पालन करना चाहिए नहीं तो ऐसी औलाद से औलाद नहीं होना ही अच्छा होता है इसीलिए आज से हम अपनी बेटी को मरा हुआ मानते हैं और मौत के बाद जो आयोजन होता है. उस आयोजन को आज हमने यहां कर के अपनी बेटी को हमेशा के लिए मरा हुआ मान लिया है. भाई ने भी बाप के साथ साथ नाराजगी बताते हुए बहन के खिलाफ गोरनी पूजा संपन्न कराई बाकायदा हिंदू रीति रिवाज के मुताबिक समाज के और आसपास के लोगों ने भी इस आयोजन में हिस्सा लिया।

अनंत सिंह का बड़ा ऐलान, निर्दलीय लड़ेंगे अगला चुनाव

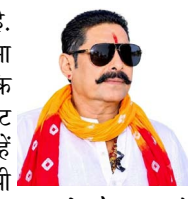

लदमा। मोकामा के विधायक अनंत सिंह ने अपनी बेटी की शादी की तैयारियों के बीच अगले चुनाव को लेकर बड़ा बयान दिया है. उन्होंने साफ कहा है कि अगली बार विधानसभा चुनाव निर्दलीय लड़ेंगे. वजह बताते हुए कहा कि पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ने से उनका वोट बंट जाता है, जबकि निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में उन्हें ज्यादा वोट मिलते हैं. अनंत सिंह का यह बयान यूपी के सैयदराजा से बीजेपी विधायक सुशील सिंह से बातचीत के दौरान सामने आया. सुशील सिंह 23 नवंबर को उनकी बेटी की हल्दी की रस्म में शामिल होने पहुंचे थे. इसी दौरान दोनों के बीच हुई बातचीत का वीडियो सामने आया है. इसमें अनंत सिंह अपने चुनावी सफर और आगे की रणनीति पर बात करते दिख रहे हैं. वीडियो में अनंत सिंह कहते हैं, 'पिछली बार चुनाव जीते तो सजा हो गई॥ फिर पत्नी लड़ी॥ फिर निकलकर हम लड़े॥, बातचीत में उन्होंने आगे कहा, ₹निर्दलीय लड़ेंगे..., इस पर सुशील सिंह के समर्थकों ने कहा कि निर्दलीय ये भी लड़े हैं. बातचीत में अनंत सिंह आगे कहते हैं कि जितना वोट उन्हें निर्दलीय में मिलता है उतना पार्टी में रहने पर नहीं आता है. पार्टी में वोट बंट जाता है.! जानकारी हो कि सुशील सिंह जब अनंत सिंह से मुलाकात के बाद लौट रहे थे तभी रास्ते में उनकी गाड़ी का एक्सीडेंट हो गया था. सामने से आ रही एक गाड़ी उनके काफिले में घुस गई और टक्कर हो गई. आरोप तो ये भी लग रहे हैं कि रास्ते में उनकी गाड़ी पर हमला हुआ है. खैर ये जांच का विषय है।

● जेडीयू से निष्कासन के बाद बढ़ीं सियासी चर्चाएं

बता दें कि अनंत सिंह 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में जेडीयू के टिकट पर जीते थे. हालांकि, उन्हें पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में छह साल के लिए निष्कासित कर दिया गया है. इसके बाद उनके राजनीतिक भविष्य को लेकर कई तरह की चर्चाएं हैं. कुछ लोग उनके बेटे के चुनाव लड़ने की संभावना जता रहे हैं, तो कुछ लोकसभा चुनाव लड़ने की बात कह रहे हैं. अब अनंत सिंह के इस बयान ने इन चर्चाओं को नया मोड़ दे दिया है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) कार्यकारी संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929